केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 289 सोमवार 13 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

पीएम मोदी ने बताया मेरा वारिस कौन

कोलकाता (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के हुगली में रविवार को चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के उत्तराधिकारी वाले बयान पर करारा पलटवार किया। उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी के वारिस कौन हैं? आप देशवासी हैं। आप ही मेरा परिवार हैं। इस दुनिया में आप लोगों के अलावा मेरा कुछ भी नहीं है। सामान्य तौर पर हमारे परिवार में जो बड़ा होता है, उसकी इच्छा होती है कि वो मरने के बाद अपने वारिस को कुछ देकर जाना चाहता है। मगर, मोदी के वारिस तो आप सब देशवासी हैं। आप ही मेरा परिवार हैं और आप ही मेरे वारिस हैं। जैसे परिवार का मुखिया अपने बच्चों के लिए कुछ छोड़कर जाना चाहता है वैसे ही मैं भी विकसीत भारत बनाकर जाना चाहता हूं।'

दरअसल, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा था कि लोकसभा चुनाव 2024 में नरेंद्र मोदी को वोट देने का मतलब अमित शाह को वोट देना है, क्योंकि नरेंद्र मोदी अगले साल 75 साल के हो जाएंगे और उनके रिटायर होने के बाद शाह प्रधानमंत्री बनेंगे। केजरीवाल ने कहा कि ये लोग इंडिया ब्लॉक से उनका चेहरा पूछते हैं। मैं बीजेपी से पूछता हूं कि उनका पीएम कौन होगा? मोदी जी अगले साल 17 सितंबर को 75 साल के हो रहे हैं। उन्होंने नियम बनाया था कि 75 साल के लोगों को रिटायर कर दिया जाएगा। हालांकि, अमित शाह ने इसका खंडन करते हुए कहा, श्मैं अरविंद केजरीवाल एंड कंपनी को बताना चाहता हूं कि आपको मोदीजी के 75 वर्ष के होने पर खुश होने की जरूरत नहीं है। बीजेपी के संविधान में कहीं भी यह नहीं लिखा है कि वह प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। वह प्रधानमंत्री बनेंगे और अपना कार्यकाल पूरा करेंगे।'

पीएम मोदी ने कहा, 'राम मंदिर जबसे बना है तब से इनकी नींद उड़ गई है। इन लोगों ने राम मंदिर का भी बहिष्कार किया। मां, माटी, मानुष की बात करने वाली पार्टी आज वोट बैंक के लिए बंगाल का भी अपमान कर रही है और अपनी विरासत का भी अपमान कर रही है।' उन्होंने कहा कि टीएमसी ने बंगाल के युवाओं के साथ विश्वासघात किया है। तृणमूल ने बंगाल के युवाओं का भविष्य बेच दिया है। टीएमसी ने बंगाल के मां–बाप के सपने बेचे हैं।

4 जून के बाद माफिया मुक्त घोषित होगा यूपी– योगी

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया को चेतावनी देते हुए कहा है कि चार जून के बाद हमारी सरकार यूपी को माफिया मुक्त राज्य घोषित करने के लिए एक निश्चित कट–ऑफ तारीख देगी। उन्होंने कहा कि सभी माफिया नेताओं की तरफ से अर्जित संपत्तियों को जब्त किया जाएगा और गरीबों, अनाथों, महिला संरक्षण गृहों और दिव्यांगों के घरों के लिए आवंटित कर दिया जाएगी। सीएम योगी ने यह बड़ी घोषणा एक निजी टीवी चौनल में साक्षात्कार का दौरान कहीं। इस साक्षात्कार में सीएम योगी ने माफिया और विपक्षी नेताओं पर एक्शन को लेकर भी खुलकर जवाब दिया।

सीएम योगी ने कहा कि माफिया की अवैध जमीनों पर अस्पताल और स्कूल बनाए जाएंगे। पहले चरण में माफिया को टारगेट किया जाएगा और दूसरे चरण में उनके गुर्गों की संपत्तियां भी जब्त की जाएगी। इसके लिए हमारी कार्य योजना भी तैयार है। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी के सीनियर नेता और पूर्व मंत्री आजम खान से जुड़े सवाल का भी जवाब दिया। आजम खान की संपत्तियों पर बुलडोजर चलाने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि ये उस महाभारत परिवार के एक और ष्काका श्रीष हैं। जब द्रौपदी का चीरहरण हो रहा था, तो दुर्योधन और दुशासन के सामने हर कोई चुप था। जैसी करनी वैसी भरनी (जैसा बोओगे, वैसा काटोगे) चाहे वह आजम खान हों या कोई माफिया सरगना। उन्होंने राज्य के विकास में बाधा डाली। इसलिए ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

एक सवाल के जवाब में सीएम योगी ने कहा कि जो भी दंगा करेगा उस पर डंडा तो चलेगा ही। यूपी में दंगा करने वालों को सात पीढ़ी तक जुर्माना भरना होगा। आज प्रदेश की बहन–बेटियां सुरक्षित हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में सीएम योगी ने कहा कि अब एक अपराधी गले में तख्ती डालकर जान की भीख मांगने पर मजबूर है। हमने प्रदेश में एक भयमुक्त वातावरण दिया है।

कुछ इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा गजवा–ए–हिंद के बारे में बोलने पर योगी ने कहा, कयामत के दिन तक गजवा–ए–हिंद नहीं होने वाला है। भारत, भारत ही रहेगा। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद की भतीजी के वोट जिहाद के आह्वान पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वोट के लिए जिहाद करेंगे तो जन्नत नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है। पिछले 10 वर्षों के दौरान मोदी जी ने जाति और धर्म को किनारे रख के सभी को समान रूप से सामाजिक कल्याण की योजनाओं का लाभ दिया। जो लोग हमारे समाज का ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रहे हैं, वे कभी मुसलमानों के हितैषी नहीं हो सकते। वे हमेशा चाहेंगे कि मुसलमान लुंगी पहनें और दौड़ें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि 4 जून के बाद इनको पूछने वाला कोई नहीं होगा। ये गाएंगे, श्चल उड़ जा रे पंछी, ये देश हुआ बेगानाश्। योगी ने कहा कि राहुल मुझसे लिखित में ले सकते हैं कि उनका गठबंधन यूपी में सभी सीटें हार जाएगा।

एक नजर

गार्ड की फायरिंग से सहकर्मी का बेटा घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरानी बस्ती क्षेत्र के भारतीय खाद्य निगम के गोदाम पर गार्ड ने शनिवार रात अपने ही सहकर्मी के बेटे पर फायर झोंक दिया। गोली लगने से घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि घायल का पिता विजय कुमार दुबे निवासी लखनहट थाना नगर भी फौज से रिटायर होकर पुरानी बस्ती स्थित एफसीआई में गार्ड की नौकरी करते हैं। रात में वह ड्यूटी जा रहे थे तभी बाइक की टक्कर से वह घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया और उनकी बाइक और मोबाइल फोन एफसीआई गेट के अंदर रखवा दिया गया।

इलाज के दौरान परिवार के लोग पहुंच गए। इलाज के बाद डॉक्टर ने घर जाने की इजाजत दे दी। बताया जा रहा है कि घायल गार्ड का बेटा अनुराग दुबे पिता की बाइक और मोबाइल लेने एफसीआई गोदाम पहुंचा। जहां गेट के अंदर से गार्ड से विवाद हो गया। आरोप है कि अंदर से गार्ड ने तीन फायर किया। जिसमें अनुराग को बांह में छर्रे लगे। पुलिस जांच कर रही है।

पोल लगाने के लिए अधिशाषी अभियंता का किया घेराव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पालिका क्षेत्र के कटरा डमरुआ मोहल्ला वार्ड संख्या–17 के लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं से बंचित है। विद्युत पोल की मांग कई वर्षो से लोग कर रहे लेकिन विभाग मूक दर्शक बनकर तमासा देख रहा है। शनिवार को मोहल्ला के लोगों की धैर्य टूट गया और अधिशाषी अभियंता का घेराव कर प्रार्थना पत्र देकर समस्या को अवगत कराया।

भाजपा नेता व पूर्व सभासद बिपिन राय के नेतृत्व में मोहल्ले के विकास चतुर्वेदी, संतोष कुमार चौधरी, एके सिंह, अजय कुमार, अशोक कुमार द्विवेदी, सरोज पांडेय, संघप्रिय, अभय कुमार, पूर्णमासी, धनई, बदामा, रामजनम शर्मा, विवेक शर्मा, नंदलाल, चंद्रिका प्रसाद, रोहित कुमार, राम प्रकाश, अरविंद कुमार, रंजू पांडे, ऋषिकेश चतुर्वेदी सहित तमाम लोगों ने कहा कि किशोरी मैरिज हाल से इंदिरा पब्लिक स्कूल तक विद्युत पोल लगना था। लेकिन विभाग ने चार पोल लगा कर कोरम पूरा कर चले गए। जेई साहब ने आश्वासन भी दिया था कि पोल पूरा लगेगा। लेकिन कर्मचारी सामान ले कर चले गए। अभी भी तीस घरों की आपूर्ति चार सौ मीटर लंबी तार खींच कर बास बल्ली के सहारे हो रहा है। दूरी अधिक होने के कारण आए दिन लोकल फाल्ट व आगजनी जैसी घटनाएं आम बात हो गयी है। लोगों ने अरविंद यादव के घर से इंदिरा पब्लिक स्कूल तक विद्युत पोल लगा कर आपूर्ति शुरु कराने की मांग की है।

विपिन राय ने बताया कि इसके अलावा चार पोल लगाने की बात अधिशासी अभियंता ने कही थी और आश्वासन भी मिला था। लेकिन अवर अभियंता बिना पोल लगवाए ही सब सामान ले कर चले गए। गर्मी में प्रायः फाल्ट हो रहा है और लोगों को समस्या हो रही है।

इस संबंध मे अधिशाषी अभियंता विद्युत खण्ड प्रथम मनोज कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान मे है। मौके पर देखने के बाद ही कुछ हो सकता है। समस्याओं का निस्तारण अवश्य होगा।

बदरीनाथ धाम के कपाट खुले

देहरादून (आभा)। उत्तराखंड चारधाम में यात्रियों की भारी भीड़ आ रही रही है। केदारनाथ, गंगोत्री–यमुनोत्री के बाद रविवार को बदरीनाथ धाम के कपाट भी खुल गए हैं। आपको बता दें कि चारधाम यात्रा के लिए जाने के लिए रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी है। ऑनलाइन के साथ ही ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन का भी इंतजाम है।

विश्व प्रसिद्ध भगवान श्री बद्रीनाथ मंदिर के कपाट 12 मई को शुभ मुहूर्त पर सुबह 6.00 बजे पूरे विधि विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालुओं के लिए खुल गए है। हजारों भक्त इस पावन पल के साक्षी बने। बदरीनाथ कपाट खुलने के मौके पर पहले दिन विशेष पूजा अर्चना की गई। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कपाट खुलने के शुभ अवसर पर समस्त श्रद्धालुओं को बधाई दी है।

चारधाम यात्रा का शुभारंभ 10 मई को केदारनाथ, गंगोत्री–यमुनोत्री धामों के कपाट खुलने के साथ शुरू हो गए थे। चारों धामों में तीर्थ यात्रियों की भारी भीड़ आ रही है। प्रशासन की ओर से भी तीर्थ यात्रियों को नहीं आने की सलाह दी रही है।

इंजन पर चढ़े युवक की हाईटेंशन तार की चपेट में आने से मौत

बलिया (आभा)। यूपी के बलिया से एक सनसीखेज मामला सामने आया है। जहां डाउन उत्सर्ग एक्सप्रेस के ऊपर चढ़े एक युवक की शनिवार की सुबह हाईटेंशन करंट की चपेट में आकर मौत हो गई। ट्रेन के इंजन के ऊपर लगे पेंटोग्राफ में युवक के शव के फंसे होने के चलते गाड़ी करीब तीन घंटे तक बांसडीहरोड स्टेशन पर खड़ी रही। हालांकि इसके चलते अन्य किसी ट्रेन का परिचालन प्रभावित नहीं हुआ ।उधर सूचना मिनले पर राजकीय रेल पुलिस ने शव को कब्जा में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई। फर्रुखाबाद जंक्शन से चलकर छपरा जंक्शन तक जाने वाली 15084 उत्सर्ग एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से कुछ देर से बलिया रेलवे स्टेशन से आगे के लिए रवाना हुई। गाड़ी बलिया–छपरा रेलखंड से गुजर रही थी। इसी बीच शहर से सटे रघुनाथपुर के पास काम कर रहे रेलकर्मी की नजर ट्रेन के ऊपर मौजूद एक युवक पर पड़ी। उन्होंने रेलवे क्रासिंग के गेटमैन को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद गेटमैन ने बांसडीहरोड के स्टेशन मास्टर को बताया।

भाजपा की जीत के लिये विधायक अजय सिंह ने झोंकी ताकत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी में अपनी चुनावी अभियान को तेज कर दिया है जिसके क्रम में रविवार को हरैया विधायक अजय सिंह ने अमारी बाजार में नुक्कड़ सभा का आयोजन कर भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी को भारी बहुमत से जिताने अपील किया। विधायक अजय सिंह ने नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकास के नाम पर वोट मांग रही है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में गुणवत्ता युक्त सड़के बनी, बड़ी संख्या में लोगों को आवास, शौचालय, आयुष्मान कार्ड आदि सरकारी सुविधाये मिली हैं।

कहा कि भाजपा सरकार द्वारा भेदभाव, जाति धर्म आदि के आधार पर नहीं किया बल्कि हर तबके और जरूरतमंद लोगों को हर तरह की सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। सरकार द्वारा किए गए कार्यों का परिणाम यह होगा कि भारतीय जनता पार्टी केंद्र में प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी। नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री और हरीश द्विवेदी को तीसरी बार सांसद बनाने का आह्वान करते हुए विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को सुरक्षित और समृद्ध बनाया जिससे दुनिया में देश का मान बढ़ा है।

इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी राजेश पाल चौधरी, विधानसभा संयोजक आनंद प्रताप सिंह, कार्यक्रम संयोजक घनश्याम शुक्ला, मंडल अध्यक्ष शिवचरण जायसवाल, शक्ति केंद्र संयोजक प्रताप बहादुर सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष अर्जुन सिंह, अमरनाथ शुक्ल, दिनेश द्विवेदी, अश्वनी तिवारी, राहुल तिवारी, भगवती प्रसाद मौर्य, रुदल चौहान, विनोद सिंह, अमित चतुर्वेदी, राजन पाण्डेय, राजेश तिवारी, अरुण सिंह, विनय सिंह भारद्वाज, जगदंबा गुप्ता, अतुल तिवारी आदि उपस्थित रहे।

उद्योग बीमार, क्या करें बेरोजगार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के युवा मुंबई, चेन्नई, दिल्ली और पंजाब समेत देश के कई शहरों में रोजगार के लिए जाते हैं। कहने के लिए जिले में प्लास्टिक कांप्लेक्स के अलावा आठ मिनी औद्योगिक आस्थान संचालित हैं। यहां नौजवानों को रोजगार मिल सकता था, लेकिन इनकी बदहाली ने युवाओं की उम्मीदें तोड़ रही हैं।

बेरोजगारी का मुद्दा सभी प्रत्याशी उठाते हैं, बेरोजगारों से बड़े–बड़े वादे भी करते हैं। नेता चुनाव के बाद सारे वादे भूल जाते हैं। तीन दशक बाद भी जिले के मिनी औद्योगिक क्षेत्रों की बदहाली दूर नहीं हो पाई है। कहीं अवैध कब्जा है तो कहीं आवंटियों ने उद्योग लगाने में रुचि नहीं दिखाई। ऐसे में उद्योगों को बढ़ावा देने की शासन की मंशा पर पानी फिर रहा है। करोड़ों रुपये के एमओयू साइन होने के बाद अभी औद्योगिक गतिविधियां धरातल पर नहीं उतर सकी हैं।

जिले में हैं गनेशपुर, पांऊ, बोदवल, रेहारजंगल, परसोहिया, राजाजोतकला, भदावल और धोबहिया में औद्योगिक आस्थान बनाए गए हैं।

इन क्षेत्रों में सुविधाओं के नाम पर आश्वासन का झुनझुना बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं होने से उद्योग लगाने से कदम खींच रहे उद्यमी मूलभूत सुविधाएं भविष्य में भी मिलने की उम्मीद न के बराबर हैं।

शत–प्रतिशत मतदान के लिए दौड़

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोकसभा चुनाव में शत–प्रतिशत मतदान के लिए मतदाता जागरूकता दौड़ का आयोजन क्षेत्रीय खेल कार्यालय बस्ती के खिलाड़ियों ने किया। यह दौड़ स्टेडियम के तहसील गेट से सुबह करीब छह बजे से प्रारंभ हुई। कम्पनीबाग, हनुमानगढ़ी, रोडवेज तिराहा, रौता चौराहा, फुव्वारा चौराहे से स्टेडियम के तहसील गेट पर समाप्त हुई।

खिलाड़ियों ने रास्ते में अधिक से अधिक मतदान किए जाने के लिए लोगों को प्रेरित किया।

मतदाता दौड़ को क्रीड़ाधिकारी संजय शर्मा व लेफ्टिनेन्ट जितेन्द्र कुमार शादी ने रवाना किया। उप क्रीड़ाधिकारी प्रमोद जायसवाल, आशुतोष पांडेय, मंजीत सिरताज सिंह, स्मिता गुपता व अन्य मौजूद रहे। स्पोर्ट्स अफसर ने बताया कि 18 मई को आयोजित होने वाली मतदाता दौड़ में महाविद्यालय व स्कूल, क्लब और सामान्य प्रतिभाग भाग ले सकते हैं।

दलितों को साधने में जुटी भाजपा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोकसभा चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहा है बस्ती में भाजपा ताबड़तोड़ सम्मेलन कर रही है। पिछले कुछ ही दिनों के भीतर युवा, पिछड़ा, किसान सम्मेलनों के बाद भाजपा अब दलितों को साधने में जुट गई है। लोकसभा मीडिया प्रभारी अमृत कुमार वर्मा ने बताया की रविवार को भारतीय जनता पार्टी की तरफ से महादेवा विधानसभा के कुदरहा में अनुसूचित एवं अनुसूचित जन जाति सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमे बीजेपी अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राम चन्द्र कन्नौजिया और अनुसूचित जन जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष संजय गौड़ शामिल हुए। सांसद हरीश द्विवेदी के समर्थन में पहुंचे अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राम चन्द्र कन्नौजिया ने कहा कि, आज पीएम मोदी के नेतृत्व में अनुसूचित जाति के दृष्टि से सामाजिक न्याय के मंत्रालय का 90: बजट बढ़ा दिया गया है, यानी दोगुना बजट कर दिया गया है। भाजपा ने अंत्योदय का कार्यक्रम चलाया था। उस समय कांग्रेस बोलती थी कि, ये अंत्योदय क्या होता है। उसी समय हमने कहा था कि जब अंत का उदय होगा, तभी भारत का उदय होगा, तभी भारतीय समाज आगे बढ़ेगा। पीएम मोदी ने उसी को आगे बढ़ाते हुए कहा– सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास।

अनुसूचित जन जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष संजय गौड़ ने कहा आज भ्रष्टाचार करने वाली पार्टियां जेल में हैं या तो बेल में हैं। उन्होंने कहा कि, सपा–कांग्रेस को दलित–वंचित से कोई मतलब नहीं। इन्हें सिर्फ अपना परिवार बचाने से मतलब है। उन्होंने कहा कि, पंचतीर्थ की याद कांग्रेस को क्यों नहीं आई। संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की कांग्रेस द्वारा उपेक्षा की गई, उनका उपहास किया गया, उनके योगदान को हमेशा कम आंका गया। यही कांग्रेस का चरित्र है, यही कांग्रेस का इतिहास है।'

सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि, 'भारत रत्न' बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी के सम्मान का मतलब देश के संविधान का सम्मान, भारत की संसदीय प्रणाली का सम्मान। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों, दलितों और वंचितों को उनका अधिकार देने का काम किया। उत्तर प्रदेश के अंदर अनुसूचित जाति से जुड़े विद्यार्थियों के लिए पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में तय किया गया है कि जो छात्र अनुसूचित जाति से चुने गए हैं, उनकी छात्रवृत्ति की राशि 2016 तुलना में दोगुनी कर दी गई है।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा की दलितों की उपेक्षा सदैव होती रही है, लेकिन मोदी जी के नेतृत्व भाजपा सरकार ने हमेशा प्राथमिकता के आधार पर महत्व दिया है। जिलाध्यक्ष ने कहां नवंबर 1989 को श्रीराम जन्मभूमि के शिलान्यास में पहली ईंट बिहार के कामेश्वर चौपाल जी के द्वारा रखी गई थी, जो अनुसूचित जाति के थे, कांग्रेस ने उस समय भी विरोध किया था। कांग्रेस ने 2019 में रामजन्म भूमि पर सुप्रीम कोर्ट के आए निर्णय का भी विरोध किया था। कांग्रेस 22 जनवरी 2024 को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा में मुख्य भूमिका निभाने का भी विरोध किया था, क्योंकि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ओबीसी समाज से आते हैं।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री चन्द्रशेखर मुन्ना ने किया।

इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, पूर्व विधायक रवि सोनकर, राजेंद्र गौड़, ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे, बाल कृष्ण त्रिपाठी पिन्टू, सुखराम गौड़, राम चरन चौधरी, प्रभात गौतम, जतिन गौड़, अभिषेक कुमार, सतीश सोनकर, ओम प्रकाश क्रन्तिकारी, हरि कृष्ण त्रिपाठी, उर्मिला देवी, मेवाती देवी, महेश सोनकर, सुनील कुमार, प्रेम प्रकाश चौधरी, दुर्गेश अग्रहरी, परमानन्द सिंह, रणविजय गौतम सहित बड़ी संख्या लोग मौजूद रहे।

साहित्यिक योगदान के लिये डा. वी.के. वर्मा को तीन पुरस्कार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रसिद्ध समाजसेवी, वरिष्ठ चिकित्सक, साहित्यकार डॉ. वी.के. वर्मा को साहित्यिक योगदान के लिये अन्तर्राष्ट्रीय गौरवांजलि ट्रस्ट भूटान द्वारा 'साहित्य गौरव', और सावित्री देवी साहित्यिक संस्थान लखनऊ द्वारा 'राष्ट्रीय साहित्य रत्नाकर सम्मान' और साहित्यिक संस्था शब्द सुमन द्वारा ' शब्द शिल्पी' सम्मान से सम्मानित किया गया। डॉ. वी.के. वर्मा तीन साहित्यिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किये जाने पर कलेक्ट्रेट परिसर में साहित्यकारों, कवियों ने फूल माला और प्रमाण–पत्र देकर उनका अभिनन्दन किया गया।

वरिष्ठ कवि साहित्य भूषण डॉ. सतीश आर्य ने कहा कि कोरोना की विकट त्रासदी को एक चिकित्सक के रूप में निकट से देखना और उसे कविता में लिपिबद्ध करते जाना साहस का काम है। डा. वर्मा का रंचना संसार जन केन्द्रित होने के साथ ही विविधता लिये हुये है।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामकृष्ण लाल जगमग ने कहा कि कोरोना की त्रासदी का दंश युगों तक रहेगा। इस बीच डा. वर्मा एक चिकित्सक और कवि धर्म दोनों का निर्वहन कर रहे थे। कहा कि उनकी प्रमुख कृतियों में 'भाव मंथन, भावाभिव्यक्ति' 'सोच' के साथ ही कहानी संग्रह पाठकों में विशेष स्थान बना चुकी है। वर्तमान में तथागत पर केन्द्रित महाकाव्य प्रकाशन प्रक्रिया में है।

सम्मानित किये जाने पर डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि पुरस्कारों से और वेहतर कार्य करने की ताकत मिलती है। चिकित्सकीय सेवा से जो कुछ पल बचते हैं वे साहित्य को समर्पित है। लेखन कार्य निरन्तर जारी है। पर्यावरण पर केन्द्रित एक काव्य संकलन शीघ्र ही पाठकों के समक्ष होगा। वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि डा. वर्मा ने जिस प्रकार से अपने कृतियों के द्वारा अलख जगा रहे हैं वह सराहनीय है।

इस अवसर पर पं. चन्द्रबली मिश्र, बटुकनाथ शुक्ल, बी.के. मिश्रा, जगदम्बा प्रसाद भावुक, पेशकार मिश्र, डा. अफजल हुसेन अफजल, प्रदीप श्रीवास्तव,दीन बंधु उपाध्याय, दीपक सिंह प्रेमी, राजेन्द्र सिंह 'राही' , दीनानाथ, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, सामईन फारुकर आदि मौजूद रहे।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 13 मई 2024 सोमवार

सम्पादकीय

प्रशिक्षित नर्सों का पलायन

समाज के लिए नर्सों के योगदान को चिन्हित करने के लिए प्रतिवर्ष 12 मई को विश्व नध्सग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल की स्मृति में दुनियाभर में 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 'हमारी नर्सें, हमारा भविष्य, देखभाल की आर्थिक शक्ति' थीम के साथ मनाया जा रहा है। इस विषय के निर्धारण का उद्देश्य नर्सिंग और इसके महत्व के बारे में लोगों की धारणाओं को बदलना है। दरअसल नध्सग प्रायरू वित्तीय सहायता की कमी के कारण बाधित होती है, इसलिए यह विषय इसे बदलने में मदद करने के प्रयासों के लिए निर्धारित है। यह विषय कोरोना महामारी से सीखे गए सबक पर भी आधारित है और उभरती चुनौतियों से निपटने तथा विश्वभर में स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य देखभाल को आगे बढ़ाने की वैश्विक आकांक्षाओं को रेखांकित करता है।

नर्सों की सराहनीय सेवा को मान्यता प्रदान करने हेतु भारत में परिवार एवं कल्याण मंत्रालय द्वारा 'राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की शुरूआत की गई थी, जिसका वितरण प्रतिवर्ष इसी दिन किया जाता है। इस अवसर पर प्रतिवर्ष देश में महामहिम राष्ट्रपति नर्सिंग कर्मियों को उनकी ईमानदारी, समर्पण तथा करुणा के साथ प्रदान की गई निरूस्वार्थ सेवा हेतु इस पुरस्कार से सम्मानित करते हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय 1973 से लेकर अब तक 250 से भी अधिक नर्सों को इस पुरस्कार से सम्मानित कर चुका है। इस पुरस्कार में 50 हजार रुपए नकद, प्रशस्ति पत्र तथा मैडल प्रदान किया जाता है।

ऑस्ट्रेलिया, अमरीका तथा कनाडा जैसे कई देशों में तो 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' का आयोजन पूरे एक सप्ताह तक किया जाता है। वास्तव में यह दिवस स्वास्थ्य सेवाओं में नर्सों के योगदान को सम्मानित करने तथा उनसे संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस का पहला प्रस्ताव 1953 में डोरोथी सुथरलैंड (यू.एस. स्वास्थ्य, शिक्षा और कल्याण विभाग) द्वारा प्रस्तावित किया गया था, जिसे अमरीकी राष्ट्रपति ड्वाइट डी आइजेनहोवर द्वारा मान्यता प्रदान की गई थी। 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' पहली बार 1965 में इंटरनैशनल काउंसिल ऑफ नर्सेस (आई.सी.एन.) द्वारा मनाया गया और जनवरी 1974 से यह प्रतिवर्ष 12 मई को नोबेल नध्सग सेवा की शुरुआत करने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाने लगा, जिनका जन्म 12 मई, 1820 को हुआ था।

अस्पतालों में भर्ती मरीजों की चौबीसों घंटे देखभाल का उत्तरदायित्व नर्सों पर ही रहता है। इसलिए उनसे उम्मीद की जाती है कि वे रोगियों का मनोबल बढ़ाने के साथ–साथ उनकी बीमारी को नियंत्रित करने में मित्रवत व्यवहार करें तथा उनके प्रति स्नेहशीलता का परिचय दें। यही कारण है कि रोगियों की उचित देखभाल के लिए नर्सों का शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक स्तर पर शिक्षित, प्रशिक्षित तथा अनुभवी होना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। नर्सिंग एक ऐसा कार्यक्षेत्र है, जिससे जुड़े लोग कभी बेरोजगार नहीं रहते। सरकारों व निजी अस्पतालों, सैन्य बलों, नर्सिंग होम, अनाथालयों, वृद्धाश्रमों तथा कुछ अन्य क्षेत्रों में ऐसे लोगों को रोजगार उपलब्ध हो ही जाता है।

दुनिया में अधिकांश देशों में आज भी प्रशिक्षित नर्सों की भारी कमी चल रही है लेकिन विकासशील देशों में यह कमी और भी अधिक देखने को मिल रही है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अच्छे वेतनमान और सुविधाओं के लालच में आज भी विकासशील देशों से बड़ी संख्या में नर्सें विकसित देशों में नौकरी के लिए जाती हैं, जिससे विकासशील देशों को प्रशिक्षित नर्सों की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। विकसित देश अपने यहां नर्सों की कमी को अपने देश से नर्सों को बुलाकर पूरा कर लेते हैं और उनको वहां पर अच्छा वेतन और सुविधाएं देते हैं, जिस कारण नर्सें विकसित देशों में जाने में देरी नहीं करतीं।

दूसरी ओर विकासशील देशों में नर्सों को अधिक वेतन और सुविध ााओं की कमी रहती है और आगे का भविष्य भी अधिक उज्ज्वल नहीं दिखाई देता, जिस कारण वे विकसित देशों के बुलावे पर नौकरी के लिए चली जाती हैं। किसी भी देश में नर्सों की कमी उस देश की खराब चिकित्सा व्यवस्था बारे बताती है। नर्सों की कमी का सीधा प्रभाव नवजात शिशु और बाल मृत्यु दर पर पड़ता है। दरअसल अब सरकारी अस्पतालों में नर्सों को अच्छा वेतन और अन्य सुविधाएं मिल रही हैं, जिससे उनकी स्थिति सुदृढ़ हुई है और यही कारण है कि भारत से प्रशिक्षित नर्सों का पलायन काफी हद तक रुका है।

भारत में विदेशों के लिए नर्सों के पलायन में कमी आने के बावजूद रोगियों की संख्या में लगातार वृद्धि होने के कारण रोगी और नर्स के अनुपात में अंतर बढ़ा है। देश में इस समय करीब 1100 की आबादी पर एक नर्स है। हालांकि विश्वभर में प्रशिक्षित नर्सों की मांग को देखते हुए भारत में भी युवाओं का इस पेशे की ओर रुझान काफी बढ़ा है। कुछ समय पहले तक नध्सग क्षेत्र पर महिलाओं का ही एकाधि ाकार माना जाता था लेकिन अब महिलाओं के साथ पुरुष भी इस क्षेत्र में भागीदारी कर रहे हैं।

नर्सिंग न केवल दुनियाभर में एक सम्मानजनक पेशा माना जाता है, बल्कि इसे दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य पेशे के रूप में भी जाना जाता है। यही कारण है कि सरकारों द्वारा भी नध्सग सैक्टर को प्रोत्साहन देने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं और अब देशभर में कई और जनरल नर्सिंग मिडवाइफरी (जी.एन.एम.) तथा ऑग्जिलरी नर्सिंग मिडवाइफरी (ए.एन.एम.) कॉलेज खोले जाने की योजना है ताकि देश में प्रशिक्षित नर्सों की कमी को पूरा किया जा सके।

राजनीति में झूठ बोलने की मजबूरी क्यों ..?

—पी चिदम्बरम—

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, एक स्व–घोषित 'मजबूत' नेता हैं। वह अक्सर 56 इंच के सीने का दावा करते थे। उनके अनुयायी खान मार्केट गुट को नियंत्रित करने, शहरी नक्सलियों को उखाड़ फेंकने, टुकड़े–टुकड़े गैंग को खत्म करने, पाकिस्तान को सबक सिखाने, सहयोगी आधिकारिक भाषा के रूप में अंग्रेजी को खत्म करने, मुख्यधारा के मीडिया को अपने अधीन करने और भारत को विश्वगुरु के रूप में अनुमानित स्थिति की ओर इशारा करते हैं। एक मजबूत नेता, 303 सीटें और 12 मुख्यमंत्री अपने–अपने राज्यों में प्रचार अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं, अकेले भाजपा के लिए 370 (और एन.डी.ए. के लिए 400) की ओर बढना आसान हो जाना चाहिए था। हालांकि, जैसा कि भाजपा नेता निजी तौर पर स्वीकार करते हैं, 370 या 400 अब हासिल नहीं किया जा सकता और अगर भाजपा साधारण बहुमत जीतती है तो उन्हें खुशी होगी।

गियर क्यों बदलें? – श्री मोदी ने अपना अभियान आत्मविश्वास और दृढ़ता से शुरू किया। कांग्रेस का घोषणापत्र 5 अप्रैल, 2024 को जारी किया गया था, श्री मोदी ने तिरस्कारपूर्वक इसे नजरअंदाज कर दिया। भाजपा का घोषणापत्र 14 अप्रैल को जारी किया गया था लेकिन इसकी सामग्री को प्रचारित करने के लिए कोई उत्सव या प्रयास नहीं किया गया। घोषणापत्र का नाम मोदी की गारंटी था। इसकी सामग्री को दरकिनार करते हुए, जब भी श्री मोदी ने किसी रैली में कोई बयान दिया, तो उन्होंने इस घोषणा के साथ समाप्ति की, 'यह मोदी की गारंटी है'। मैं मोदी की गारंटियों की संख्या गिनना भूल गया हूं। हालांकि, जो बात सामने आई, वह यह है कि श्री मोदी ने इसके बारे में कोई गारंटी नहीं दी– बेरोजगारों के लिए रोजगार पैदा करना या बढ़ती महंगाई पर काबू पाना, जो आम लोगों की दो सबसे बड़ी चिंताएं हैं। श्री मोदी ने जानबूझकर सांप्रदायिक सौहार्द, विकास, कृषि संकट, औद्योगिक बीमारी, बहुआयामी गरीबी, वित्तीय स्थिरता, राष्ट्रीय ऋण, घरेलू ऋण, शैक्षिक मानक, स्वास्थ्य देखभाल, चीनी कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र या सैंकड़ों अन्य गंभीर चिंताओं के बारे में बात नहीं की, जैसा कि एक प्र ाानमंत्री को चुनाव के दौरान करना चाहिए।

19 अप्रैल को 102 सीटों पर पहले चरण का मतदान पूरा हो गया। संभवतः, 21 अप्रैल को श्री मोदी ने राजस्थान के जालौर और बांसवाड़ा में सार्वजनिक रैलियों में कांग्रेस पर पूरे पैमाने पर हमला बोल दिया। श्री मोदी ने कहा, “कांग्रेस वामपंथियों और शहरी नक्सलियों के चंगुल में फंस गई है। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में जो कहा है, वह गंभीर और ङ्क्षचताजनक है। उन्होंने कहा है कि अगर उनकी सरकार बनी तो हर व्यक्ति की संपत्ति का सर्वे कराया जाएगा। हमारी बहनों के पास कितना सोना है, सरकारी कर्मचारियों के पास कितना पैसा है, इसकी जांच की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा है कि हमारी बहनों का सोना समान रूप से वितरित किया जाएगा। क्या सरकार को आपकी संपत्ति लेने का अधिकार है?'' हम केवल अनुमान लगा सकते हैं कि 19 से 21 अप्रैल के बीच श्री मोदी को कुछ जानकारी (खुफिया) प्राप्त हुई, जिसने उन्हें गियर बदलने के लिए मजबूर कर दिया।

झूठ और अधिक झूठ क्यों? रू ऊपर दिए गए अंश में प्रत्येक आरोप झूठ है। जैसे–जैसे दिन बीतते गए, झूठ बड़ा और अधिक अपमानजनक होता गया। संपत्ति से लेकर सोने तक, मंगलसूत्र से लेकर स्त्रीधन से लेकर मकान तक, श्री मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस उन्हें जब्त कर लेगी और मुसलमानों, घुसपैठियों और अधिक बच्चे पैदा करने वाले लोगों को वितरित कर देगी। एक अन्य रैली में, श्री मोदी धर्म–आधारित कोटा और विरासत कर पर कूद पड़े। झूठ का कोई अंत नहीं था। श्री मोदी ने 'भैंसों पर विरासत कर' जैसा 'आर्थिक रत्न' भी उछाला और कहा कि अगर किसी व्यक्ति के पास दो भैंसें हैं तो एक छीन ली जाएगी। तात्कालिक उद्देश्य स्पष्ट था, कि यह भारतीय मुसलमानों को काले रंग से दागना और मतदाताओं का ध्रुवीकरण तथा हिंदू मतदाताओं को एकजुट करना था।

प्रधानमंत्री ने कौन से झूठ बोले हैं यह तो महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी बड़ा सवाल यह है कि प्रधानमंत्री ऐसे झूठ क्यों बोल रहे हैं। ध्यान दें, यह एक झूठ नहीं है, यह झूठों की एक श्रृंखला है और झूठ जारी है। एक प्रधानमंत्री, जो 370 या 400 सीटें जीतने के प्रति आश्वस्त था, वह अपने विरोधियों के बारे में लापरवाही से झूठ नहीं बोलेगा। वह विपक्षी दलों को अपने रिकॉर्ड पर बहस में शामिल होने की चुनौती देंगे। मुख्य युद्धक टैंक के रूप में श्री मोदी का झूठ चुनना (उनका रिकॉर्ड नहीं) एक रहस्य है, जिसे सुलझाया जाना है।

आत्म–संदेह क्यों? रू मान लीजिए कि श्री मोदी को ई.वी.एम. में बंद रहस्यों का पता था। उनके पास ङ्क्षचता करने के कारण हो सकते हैं क्योंकि जमीनी हालात 2019 की स्थिति से बहुत अलग हैं। सबसे पहले, श्री मोदी चुनाव की कहानी तय करने में सक्षम नहीं हैं। वह बहस की शुरुआत नहीं कर रहे हैं, वह कांग्रेस के घोषणापत्र पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, भले ही वह काल्पनिक हो। दूसरे, वह अपने वादे को कांग्रेस के वादे से मिलाने और मतदाताओं का ध्यान खींचने में सक्षम नहीं हैं। तीसरा, लोग भाजपा के थकाऊ नारों से नाराज हैं लेकिन श्री मोदी अच्छे दिन आने वाले हैं जैसा कोई नया नारा गढने में सक्षम नहीं हैं। चौथा, कम मतदान प्रतिशत ने उन्हें परेशान कर दिया होगा क्योंकि यह इस बात का संकेत हो सकता है कि उनके वफादार मतदाता मतदान केंद्रों पर नहीं आए। अंततरू, बूथों पर आर.एस.एस. स्वयंसेवकों की अनुपस्थिति और आर.एस.एस. के शीर्ष नेतृत्व की चुप्पी ने भाजपा खेमे में खतरे की घंटी बजा दी होगी।

संभावना है कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को महत्वपूर्ण लाभ होगा। क्या इस तरह के 'लाभ' से भाजपा को 'शुद्ध घाटा' होगा, यह लाख टके का सवाल है। यह संभव है कि श्री मोदी भी अधिक यथार्थवादी दृष्टिकोण साझा करते हैं कि 2024 के चुनाव किसी भी राज्य में (गुजरात के संभावित अपवाद को छोड़कर) सभी के लिए विजेता का चुनाव नहीं है। श्री मोदी ने शायद यह निष्कर्ष निकाला है कि उन्हें मायावी लाभ को नहीं बल्कि संभावित शुद्ध घाटे को गिनना चाहिए। हो सकता है कि उस विचार ने उन्हें चिंता में डाल दिया हो और चिंता झूठ में तबदील हो रही हो। मैं यह अनुमान नहीं लगा सकता कि लोग किस तरह से मतदान करेंगे लेकिन मुझे विश्वास है कि लोग श्री मोदी के झूठ को समझ सकते हैं और लोग आश्चर्य करते हैं कि एक 'मजबूत' नेता को झूठ क्यों बोलना चाहिए।

जटिल परिस्थितियों से उभरते हैं नेता

—हरि जयसिंह—

आम चुनावों के तीन सप्ताह बीत जाने के बाद, यह इस बात का जायजा लेने का बेहतरीन समय है कि हमने कहां से शुरुआत की थी और आज कहां हैं। 2004 से, भारतीय आम चुनाव अप्रैल और मई के बीच आयोजित किए जाते रहे हैं। 2004, 2009, 2014 और 2019 के आंकड़ों से पता चलता है कि मतदान प्रतिशत में गिरावट का रुझान है क्योंकि मतदान मई के गर्म महीने तक बढ़ गया है। उदाहरण के लिए, 2019 में मतदान प्रतिशत अप्रैल में 69.5 प्रतिशत से गिरकर मई में 64.8 प्रतिशत हो गया। इस साल लोकसभा चुनाव का सातवां और अंतिम चरण 1 जून को है। अब तक, विभिन्न राज्यों में मतदान का प्रतिशत काफी अलग–अलग रहा है। गुजरात में 55 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि कर्नाटक में अधिक 70.4 प्रतिशत मतदान हुआ। हिंदी भाषी राज्यों बिहार और उत्तर प्रदेश में तुलनात्मक रूप से कम मतदाता भागीदारी देखी गई, जहां क्रमशः 56.5 प्रतिशत और 57.3 प्रतिशत मतदान हुआ। हिंदी पट्टी में कम मतदान प्रतिशत ने इसके संभावित प्रभावों के बारे में अटकलें तेज कर दी हैं। कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि यह भाजपा के प्रति घटते उत्साह का संकेत है, हालांकि ऐसे निष्कर्ष जल्दबाजी में निकाले जा सकते हैं।

चुनाव में आगे बढ़ते हुए, भाजपा ने पूरे आत्मविश्वास के साथ 400 सीटों की बात कही। इस संख्या तक पहुंचने के लिए पार्टी को उन जगहों पर अपना समर्थन मजबूत रखना होगा, जहां वह आमतौर पर अच्छा प्रदर्शन करती है और साथ ही नए क्षेत्रों पर जीत हासिल करनी होगी। स्वाभाविक रूप से, योजना कुछ राज्यों में अल्पसंख्यक समुदायों पर ध्यान केंद्रित करने और अधिक हिंदू वोट प्राप्त करने के लिए असम जैसे राज्यों में चीजों को बदलने की थी। चुनावों की शुरुआत के बाद से, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे बयान देने लगे हैं, जो उनकी सामान्य बयानबाजी से परे लगते हैं।

6 मई को एक टैलीविजन साक्षात्कार में प्रधानमंत्री ने मुस्लिम समुदाय से भविष्य पर विचार करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि वह मुसलमानों या इस्लाम के प्रति कोई शत्रुता नहीं रखते। उन्होंने कहा– 'दुनिया भर में मुस्लिम समुदाय विकसित हो रहा है... लेकिन भारत में उन्होंने इसे ङ्क्षहद्दू–मुस्लिम के बारे में बना दिया है। जो लोग ऐसा कर रहे हैं, मैं मुस्लिम समुदाय से अपील करना चाहता हूं कि कृपया अपने बच्चों के जीवन के बारे में सोचें। कृपया अपने भविष्य के बारे में सोचें। मैं नहीं चाहता कि कोई भी समुदाय सिर्फ इसलिए बंधुआ मजदूरों की तरह जिए क्योंकि कोई हमेशा डर फैलाता रहता है।'

साक्षात्कार में मोदी ने अपने कार्यों का बचाव किया, सभी समुदायों के लिए अपने समर्थन के सबूत के रूप में तीन तलाक को समाप्त करने, स्वास्थ्य देखभाल लाभ प्रदान करने और कोविड टीकाकरण की सुविधा प्रदान करने की ओर इशारा किया। उन्होंने अल्पसंख्यकों के बीच डर फैलाने के लिए कांग्रेस की आलोचना की और मुसलमानों के खिलाफ पूर्वाग्रह से इंकार किया और सभी नागरिकों के कल्याण पर अपनी सरकार का ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। उन्होंने मुस्लिम समुदाय से अपनी प्रगति का मूल्यांकन करने और विभाजनकारी राजनीति के आगे न झुकने का आग्रह किया।

तेलंगाना में, प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पार्टी पर सीधा हमला किया और उन पर लोकसभा चुनावों की घोषणा के बाद अंबानी और अडानी की आलोचना को अचानक बंद करने का आरोप लगाया। मोदी ने इस अचानक बदलाव के पीछे के कारण पर सवाल उठाया और अनुमान लगाया कि क्या यह अघोषित वित्तीय लेनदेन या कांग्रेस पार्टी के साथ गुप्त समझौतों के कारण था? उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और आरोप लगाया कि मुस्लिमों को पूर्ण आरक्षण देने की उनकी मंशा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के सिद्धांतों के विपरीत है। विवादास्पद मुद्दा यह है– क्या प्रधानमंत्री को यह महसूस हो रहा है कि उनकी पार्टी की बड़ी जीत की राह जितनी प्रतीत होती है उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है? वह बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और आय असमानता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान क्यों भटका रहे हैं। चिलचिलाती गर्मी के अलावा, आम नागरिक तेजी से निराशा व्यक्त कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही निरर्थक बयानबाजी के खिलाफ आवाज उठाने लगे हैं।

2024 के चुनावों के लिए जनमत सर्वेक्षणों में कहा गया है कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.) 330 से 390 सीटों के अनुमान के साथ महत्वपूर्ण अंतर से जीतेगा। हालांकि, विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि पिछले सर्वेक्षण कभी–कभी गलत रहे हैं। यह 2004 में भी स्पष्ट हुआ था, जब भाजपा के आत्मविश्वास और 'इंडिया शाइङ्क्षनग' अभियान के बावजूद एन.डी.ए. को चुनाव में अनुमान के मुताबिक जीत हासिल नहीं हुई थी। लखनऊ में चुनाव प्रचार से लौटने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने सहयोगी शिव कुमार पारीक से बात करते हुए कहा था– 'सरकार तो गई। हम हार रहे हैं।' अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेता दुर्लभ हैं, वह कभी भी निम्न स्तर की राजनीति में नहीं उतरे। उनकी विरासत प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल से आगे तक फैली हुई है। उन्होंने एक विपक्षी नेता का अनुकरणीय आदर्श प्रस्तुत किया, जो आजकल गायब है। वह हमारी आजादी के बाद से महत्वपूर्ण क्षणों में सरकारों के साथ खड़े रहे, जिसमें नरसिम्हा राव सरकार का समर्थन करना भी शामिल था, जब भारत को संयुक्त राष्ट्र में एकीकृत मोर्चे की आवश्यकता थी।

भारत का वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, जो सुविधा, धर्म और जाति की गतिशीलता से प्रेरित है, अवसरवादी नेताओं को जन्म देता है, जो राजनीति को धन–संचालित वोट बैंक व्यवसाय में बदल देता है। यह त्रुटिपूर्ण चुनावी प्रणाली इस मुद्दे का मूल कारण है। यक्ष प्रश्न बना हुआ है– हम यहां से कहां जाएं? हमें ऐसे नेता कैसे मिलेंगे, जो तूफान का सामना कर सकें और देश को आगे बढ़ा सकें? आखिरकार, एक नेता कोई उपभोक्ता उत्पाद नहीं है, जिसे किसी कारखाने में 'ऑर्डर–टू–ऑर्डर' आधार पर उत्पादित किया जाए, वे जटिल परिस्थितियों और ताकतों से उभरते हैं। वे व्यक्तिगत या पार्टी हितों से ऊपर राष्ट्र को प्राथमिकता देते हैं। जैसे–जैसे हम इस चुनावी यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं, आइए हम ऐसे नेताओं के उभरने के प्रति आशान्वित रहें।

सियासी मायने के नये सन्दर्भ

— कमलेश पाण्डेय—

दुनिया का सबसे बड़ा और सर्वाधिक सफल लोकतंत्र समझा जाने वाला भारतीय लोकतंत्र में कतिपय नेताओं द्वारा वक्त–वक्त पर किस प्रकार से जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, पहाड़, मैदान, तुष्टीकरण और नस्लीय वैचारिक विकृति पिरोयी गई, यह राजनैतिक और सामाजिक शोध ा का विषय है। क्योंकि सिर्फ बहुमत प्राप्ति की गरज से नेताओं ने जिन नीतिगत उलटबांसियों को तवज्जो दी, उससे शांतिपूर्ण और सहिष्णु भारतीय समाज का बहुत बड़ा अहित हुआ है। वहीं, इन बातों का दुष्प्रभाव चुनावी राजनीति पर भी पड़ा है।

सच कहूं तो ऐसे नेताओं की शतरंजी सियासी चालों से न केवल क्षेत्रीयता बल्कि राष्ट्रीयता का भाव भी प्रभावित हुआ है। वहीं, परिवारवाद और सम्पर्कवाद के खेल ने सियासी स्थिति–परिस्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है। ऐसा मैं इसलिए कह रहा हूँ कि एनआरआई बुद्धिजीवी सैम पित्रोदा ने भारतीयता की जो शर्मनाक व्याख्या की है, वह आम चुनाव 2024 को आने वाले दिनों में एक नई दिशा देगी। उनके हालिया बयानों से जो बहस छिड़ेगी, उसका उत्तर देना बिल्कुल आसान नहीं होगा। क्योंकि इससे पहले शायद ही किसी ने विभिन्न रूप वाले भारतीयों को ऐसी उपमा दी हो। जो बेतुकी ही नहीं, बल्कि आपत्तिजनक भी है। इसलिए आशंका है कि गत तीन चरणों के चुनावों में कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन को जो तवज्जो मिली, वह चौथे चरण से प्रभावित भी हो सकता है।

सैम पित्रोदा के शब्दों में, ष्हम भारत जैसे विविधता से। भरे देश को एकजुट रख सकते हैं। जहाँ पूर्व के लोग चीनी जैसे लगते हैं, पश्चिम के लोग अरब और उत्तर के लोग गोरों जैसे दिखते हैं, जबकि दक्षिण भारतीय अफ्रीकी जैसे लगते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, हम सब भाई–बहन हैं। भारत में अलग–अलग क्षेत्र के लोगों के रीति–रिवाज, खान–पान, धर्म, भाषा भिन्न हैं, लेकिन भारत के लोग एक दूसरे का सम्मान करते हैं।ष् इससे पहले उन्होंने कहा है कि, ष्हम 75 साल से बहुत सुखद माहौल में रह रहे हैं, जहां कुछ लड़ाइयों को छोड़ दें तो लोग साथ रह रहे हैं।'

देखा जाए तो भारतीयों की पहचान को विदेशी मूल से जोड़कर देखने का सैम पित्रोदा ने जो दुस्साहस किया है, उससे आगबबूला हुई भाजपा ने उनके बेतुके बयान को ही चुनावी मुद्दा बना दिया। पार्टी का आरोप है कि धर्म के आधार पर हुए राष्ट्र विभाजन के पश्चात अब चमड़ी व रंग के आधार पर कांग्रेस देश को बांटने की साजिश रच रही है। समझा जाता है कि उनके बयान के बाद बैक फुट पर दिखाई पड़ी कांग्रेस को राजनैतिक धर्मसंकट से बचाने के लिए उन्होंने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया, जिसे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा स्वीकार कर लिया गया है, जो कि बड़ी बात है।

वहीं, कांग्रेस ने उनकी टिप्पणियों से खुद को पूरी तरह से अलग कर लिया है, क्योंकि उसका मानना है कि भारत की विविधता को चित्रित करने के लिए एक पॉडकास्ट में पित्रोदा द्वारा दी गई उपमाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य हैं। बता दें कि पिछले दिनों भी सैम पित्रोदा ने भारत में अमेरिका की तर्ज पर विरासत टैक्स की पैरवी कर कांग्रेस की खूब किरकिरी कराई थी। उससे पहले वह यह भी कह गए थे कि अयोध्या में निर्मित राम मंदिर भारत के विचार के विपरीत है।

यदि पिछले तीनों लोकसभा चुनावों यानी 2014, 2019 और 2024 में कतिपय कांग्रेसी नेताओं के बयानों पर गौर किया जाए तो मणिशंकर अय्यर, शशि थरूर से लेकर सैम पित्रोदा तक पार्टी नेताओं की ऐसी फेहरिस्त है, जिनके बयानों से पीएम मोदी की सरकार को अकस्मात चुनावी संजीवनी मिली। यही वजह है कि इस बार कांग्रेस नेतृत्व पर समय रहते ही निर्णय ले लिया और पित्रोदा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया, ताकि चुनावी डैमेज कंट्रोल किया जा सके।

मेरा स्पष्ट मानना है कि गोरे अंग्रेजों से लेकर काले अंग्रेजों तक ने कभी बहुमत प्राप्ति की गरज से तो कभी किसी लॉबी को संतुष्ट करने के लिए जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, लिंग, पहाड़, मैदान, उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम, तुष्टीकरण और नस्लीय आधार पर व्यक्तियों के विभाजन का जो सिलसिला प्रारंभ किया, वह आज तक जारी है।

सीएम योगी बोले, राम द्रोहियों को है राममंदिर से बैर मंच पर नहीं मिली बृजभूषण शरण सिंह को जगह

संवाददाता—बहराइच। कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र के पयागपुर विधानसभा में उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि यह पूरा चुनाव राम भक्तों और राम द्रोहियों के बीच का हो गया है। जो राम भक्त है वही भारत में शासन करेगा। क्या रामद्रोही कभी विजय हुआ है? रामद्रोही विजय होते तो हम लोग रावण की पूजा करते ,कुंभकरण और मेघनाथ की पूजा करते। अयोध्या में अब 500 वर्षों का इंतजार समाप्त हो गया है। हम 84 कोसी परिक्रमा मार्ग को फोरलेन बनाने जा रहे हैं। जिसका सभी को लाभ मिलेगा। जो काम भारत में अयोध्या में हुआ वह दुनिया के अंदर कहीं नहीं हुआ है। यह कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लोग तो मानते थे के अयोध्या में राम मंदिर कभी बन नहीं सकता। इसीलिए बहकाने के लिए सपा के लोग कहते थे कि परिंदा भी यहां पर नहीं मार सकता। सीएम योगी ने कहा कि राम मंदिर बनने से दो ही लोग नाराज हैं या तो राम द्रोही या तो पाकिस्तान। बाकी पूरा हिंदुस्तान कह रहा है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। बहराइच में खानदानी राम भक्त हैं। यह वही भूमि है जिस भूमि ने सोमनाथ मंदिर के गुनहगार सालार मसूद को जहन्नुम में पहुंचाकर सोहेलदेव महाराज ने भारत के धर्म की रक्षा की थी। हम लोगों ने स्मारक भव्य बनाया है लेकिन ,समाजवादी ,कांग्रेस ने कभी स्मारक पर फूल तक नहीं चढ़ाया। यह लोग दरगाह में तो जाएंगे लेकिन महाराजा सुहेलदेव के स्मारक पर कभी नहीं जाएंगे। क्योंकि इनको डर है कि अगर वहां जाएंगे तो कहीं मुस्लिम वोट ना खिसक जाए। यह लोग हिंदुओं को बांटना चाहते हैं। पहले उन्होंने जाति के नाम बांटा फिर क्षेत्र और भाषा के नाम बांट और आपकी प्रॉपर्टी पर भी इन लोगों की नजर है।

कांग्रेस ने कहा है कि सत्ता में आएंगे तो कांग्रेस और सपा का गठबंधन वरासत टैक्स लगाएंगे। वरासत टैक्स का मतलब आपके बाप दादा ने जो कमाया है उस संपत्ति में से आधी संपत्ति यह लोग जबरन समाजवादी पार्टी के गुंडे या फिर कांग्रेस के गुंडे हड़पने का काम करेंगे। क्या आप इसको स्वीकार करेंगे? भारतीय जनता पार्टी इस प्रकार की डकैती कभी स्वीकार नहीं करेगी। कहा जा रहा हम आएंगे तो जातीय जनगणना करेंगे। जाति जनगणना क्यों करेंगे? यह इसलिए करेंगे कि हिंदुओं को आपस में लड़ा दे और फिर आपस में लड़ने के बाद हिंदुओं के आरक्षण का अधिकार मुसलमान को दे देंगे। कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र में रविवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने पयागपुर विधानसभा क्षेत्र में खानदानी रैली को संबोधित किया। इस दौरान यहां के प्रत्याशी करण भूषण सिंह उनके साथ मौजूद रहे। लेकिन भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने योगी के मंच पर नजर नहीं आए। बता दें कि अभी कुछ दिन पहले बृजभूषण शरण सिंह ने सिर्फ पीएम मोदी को ही अपना नेता बताया था। उनके मंच पर न शामिल होना क्षेत्र में चर्चा का विषय भी बना हुआ है।

चारसौ पार लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए चरण पादुका मंदिर में हुई बैठक

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के सभी प्रदेश में चलाई गई योजनाओं की जानकारी जन–जन तक हो और चुनाव में एनडीए 400 लक्ष्य को प्राप्त कर सके इसको लेकर के भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या के चरण पादुका मंदिर में प्रधानमंत्री कल्याणकारी योजना जागरूकता मिशन भारत के राष्ट्रीय और प्रदेश पदाधिकारी की बैठक संपन्न हुई जिसमें बचे हुए चुनाव के चरणों को लेकर चर्चा हुई और यह लक्ष्य रखा गया की मिशन घर–घर तक पहुंच करके प्रधानमंत्री की योजनाओं की लोगों तक पहुंचाएगी बचे हुए लोगों का एक प्रारूप बनाया जाएगा जिससे सरकार बनने के बाद सभी को लाभ दिलाया जा सके। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सूर्यमान सिंह ने बताया कि पिछले 6 वर्षों से संगठन कार्य कर रहा है और अब 2024 के चुनाव में जो शेष चरण बचे हुए है उसमें घर–घर तक पहुंच कर संगठन के कार्यकर्ता 400 के लक्ष्य को पूरा करेंगे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महंत गिरिजेश दास महाराज ने कहा कि समय काम बचा है इसलिए कार्यकर्ता सनातनी सरकार को बनाने के लिए पूरे तन मन से बचे हुए चरणों के लिए लग गए हैं जिससे दिल्ली में सनातनी सरकार फिर से एक बार पुनः बने और बच्चे हुए को पूरा किया जा सके यही लक्ष्य मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की जन्मस्थली से लिया गया है। बैठक का संचालन चरण पादुका मंदिर के जटाशंकर दास महाराज ने किया और कहा कि इसमें कोई संशय नहीं है की केंद्र में प्रधानमंत्री तीसरी बार नरेंद्र मोदी बनेंगे लेकिन हमारा लक्ष्य 400 पर का है जिससे बच्चे हुए कार्यों को मजबूती से हम पूरा कर सके। बैठक में राष्ट्रीय संगठन मंत्री फौजदार सिंह, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी मनोज कुमार प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह, शीतला शुक्ला, मनोज चौरसिया,निशा सिंह, अयोध्या मंडल अध्यक्ष दिनेश शर्मा, जिला अध्यक्ष मनोज वर्मा, देवीपाटन मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह, नीरज श्रीवास्तव मीडिया प्रभारी सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

ठेकेदार की लोहे के रॉड से पीट–पीटकर हत्या

संवाददाता—गोण्डा। घर के बरामदे में सो रहे ठेकेदार की शनिवार की आधी रात लोहे के रॉड से पीट कर हत्या कर दी गई। दबंग ने ठेकेदार की हत्या करने के बाद घर के अंदर सो रहे उसके लड़के पर भी हमला करने की कोशिश की, लेकिन उसने शोर मचाना शुरू कर दिया। जिससे आरोपी मौके से भाग निकले। मामले में मृतक के बेटे ने गांव के ही तीन लोगों के खिलाफ हत्या की नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पूरे घटनाक्रम का बारीकी से जांच कर रही है। जिले के धानेपुर थाना के गांव राजापुर के रहने वाले सरफराज खान (70) लकड़ी के ठेकेदार थे। सरफराज का अपने भाइयों से बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। बेटे रिजवान का कहना है कि तीन चार दिन पहले भी इसी मामले को लेकर आरोपियों ने उसके पिता से विवाद किया था। शनिवार को जब सरफराज अपने घर के सामने बने बरामदे में सो रहे थे। तभी रात करीब एक बजे गांव के अजमतउल्ला, कमरुद्दीन, रफीउल्ला आ धमके और उसके पिता के सिर पर लोहे के रॉड से प्रहार कर उनकी हत्या कर दी। पिता को मारने के बाद आरोपियों ने उसके कमरे की खिड़की से घुसकर उसे भी मारने की कोशिश की, लेकिन वह बेड से कूदकर अलग हो गया। और शोर मचाने लगा। रिजवान की चीख पुकार सुनकर परिवार के अन्य लोग दौड़े। तो आरोपी भाग निकले। घटना की सूचना मिलने पर धानेपुर एसएचओ वेद प्रकाश शुक्ला अपनी पुलिस टीम के साथ पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों से वारदात की जानकारी ली। मामले में मृतक के बेटे रिजवान ने आरोपी अजमतउल्ला, कमरुद्दीन और रफीउल्ला के खिलाफ हत्या की नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष वेद प्रकाश शुक्ला ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

स्वच्छता अपनाएं, बीमारी को दूर भगाएं

संवाददाता—श्रावस्ती। 62वीं वाहिनी एसएसबी की ओर से पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली कार्यक्रम के तहत स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत एसएसबी जवानों की ओर से साफ सफाई कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही उन्हें स्वच्छता का संदेश दिया जा रहा है।

कमांडेन्ट रवीन्द्र कुमार राजेश्वरी के नेतृत्व में रविवार को एसएसबी जवानों की ओर से वाहिनी मुख्यालय भिनगा समेत सभी समवाय व सीमा चौकी क्षेत्र में साफ सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आस पास के गांवो में कचरा इकट्ठा किया गया और झाड़ू लगाकर साफ सफाई कर गंदगी को हटाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोंगो को अपने आस–पास के इलाके को स्वच्छ रखने में योगदान देना और लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करना रहा। लोगों को बताया गया कि जहां स्वच्छता होगी वहां बीमारी नहीं होगी और जहां गंदगी होगी वहां बीमारी फैलेगी। इसलिए प्रतिदिन घर के साथ ही अपने आस पास को साफ रखें।

संतो के सिरमौर थे कोठा सरकार –महंत रामप्रिया शरण

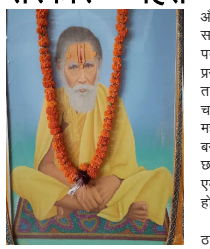

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या । परमाचार्य 1008,परम सिद्ध रसिक परम्परा के विलक्षण सन्त श्री रसमोदलता जू स्वामी रामकिशोरशरण कोठा सरकारु की जयंती वैशाख शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को रसमोद कुंज अयोध्या में वर्तमान महंत रामप्रिया शरण गिरधारी जी महाराज के संयोजन में मनाई गई। महाराज ने बताया रसिक सन्तो के सिरमौर कोठा सरकार सन्त मंडली में सायंकाल में श्री सीताराम नाम का कीर्तन करते हुए श्री कनकभवन दर्शन को जाया करते थे और नित्य नियम से श्री ठाकुर जू के सामने नाम संकीर्तन तथा उत्सव के पदों का गायन करते थे और खूब प्रसादी बंटती थी,वर्ष भर उत्सवों का ताता लगा रहता था और श्री चन्द्रकलाजी की जयन्ती पर तो श्री महाराज जी का उत्साह देखते ही बनता था।श्री हनुमतनिवास की पूर्वी छत पर विराजते थे,इसीलिए उनका एक नाम श्री कोठा सरकार प्रसिद्ध हो गया।

महाराजजी की जयंती ठाकुर जी को और श्री महाराज जी को विविध प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया आरती उतारी गई ब्रह्म मुहूर्त में पंचामृत से स्नान कराया गया नवीन वस्त्र धारण कराया गया और शाम के सत्र में बधाई गन का आयोजन हुआ जिसमें सैकड़ो लोग सम्मिलित हुए सभी लोगों ने श्री महाराज जी की आरती उतारी और प्रसाद वितरण किया गया। बधाई गण में मुख्य रूप से व्यास रघवेंद्र, व्यास ओंकार, राजेंद्र पांडेय, लाडली शरण, रामभरोसे, पुजारी रामस्वरूप शरण, जयराम दास, सुबोध जी आदि समेत समस्त भक्तगण उपस्थित रहे।

अतिक्रमण संग कचरे से पटे नाले की नहीं हो रही सफाई

संवाददाता—श्रावस्ती। बदला गांव के पास नाले की सफाई व्यवस्था बदहाल है। नाले में कचरा पटा हुआ है और जल निकासी नहीं हो पा रही है। हल्की बरसात होते ही पानी सड़क पर बहने लगता है और लोगों को समस्या होती है। विकास क्षेत्र जमुनहा के ग्राम पंचायत बैजनाथपुर के मजरा बदला गांव के सामने जमुनहा बहराइच मार्ग किनारे जलनिकासी के लिए नाला बना हुआ है। नाले का निर्माण समुचित जलनिकासी की व्यवस्था के लिए कराया गया था। इस नाले से गांव व बदला चौराहे का पानी निकलता है लेकिन इस समय जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते नाला कचरे से पटा हुआ है और उसकी सफाई नहीं कराई गई है। कचरे से पटा नाला गंदगी से बजबजा रहा है इससे संक्रामक बीमारी फैलने का भी खतरा बना हुआ है। लोगों का कहना है कि इन दिनों नाला गंदगी से पटा हुआ है। घरों के सामने गंदे पानी से बजबजा रहे नाले से बदबू आ रही है। वहीं दूषित हवा से वातारण भी प्रदूषित हो रहा है। इससे बीमारी फैल रही है। लोगों का कहना है कि मिट्टी पाटकर नाले पर लोगों ने अवैध कब्जा भी कर रखा है। इससे जलनिकासी नहीं हो रही है। बरसात में नाले का पानी उफनाकर सड़क व घरों के सामने भर जाता है। लोगों ने नाले को अतिक्रमणमुक्त कराकर साफ सफाई कराने की मांग की है।

टोल प्लाजा पर तैनात कर्मी की करंट लगने से मौत

संवाददाता—बलरामपुर। बलरामपुर–तुलसीपुर बौद्ध परिपथ एनएच–730 मार्ग स्थित निबोरिया गांव के निकट टोल प्लाजा पर शनिवार देर रात रसोइया की करंट लगने से मौत हो गई। रसोइया की 11 जुलाई को शादी होनी थी। वह फोन पर बात करते–करते करंट की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौत हो गई। तुलसीपुर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इकालौता पुत्र होने के नाते गांव में मातम पसरा हुआ है। अधिकांश ग्रामीणों के घर रविवार को भोजन नहीं बना।

ललिया थाना के जुम्मनडीह नंदनगर निवासी 22 वर्षीय वीरेन्द्र कुमार पुत्र ओमनाथ पाण्डेय बौद्ध परिपथ स्थित तुलसीपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत निबोरिया गांव में टोल प्लाजा पर भंडारी का काम करता था। लगभग एक साल से वह टोल प्लाजा पर भंडारी के रूप में नौकरी कर रहा था। उससे मिलने वाले पैसे ही उसके परिवार का भरण पोषण होता था। टोल प्लाजा से मिले पारिश्रमिक से वह खुश था। उसके माता–पिता को भी उससे कोई शिकायत नहीं थी। शनिवार शाम वह टोल प्लाजा पर खाना बनाने के बात किसी से फोन पर बात करने लगा। बात करते–करते रात लगभग नौ बजे के बाद वह टोल प्लाजा से बाहर निकल आया। टोल प्लाजा के पीछे केबिल टूटकर जमीन पर गिर गया था। अनजाने में उसका पैर बिजली तार पर पड़ गया। करंट लगने के कारण वह बेहोश होकर गिर गया। टोल प्लाजा कर्मियों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तुलसीपुर पहुंचाया। डा. सुमंत सिंह चौहान ने उसे मृत घोषित कर दिया। वीरेन्द्र के मौत की खबर सुन मां प्रभावती बेहोश हो गई।

पिता ओमनाथ को कुछ सूझ नहीं रहा था। वह भागकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे और बेटे के शव से लिपट कर रोने लगे। गांव के अधिकांश घरों में रविवार को भोजन नहीं पका। वीरेन्द्र के मौत की खबर सुनकर उनके दरवाजे पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सभी लोग परिजनों को ढांढस बंधा रहे थे। तुलसीपुर प्रभारी निरीक्षक अशोक सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नंदनगर जुम्मनडीह निवासी वीरेन्द्र कुमार अपने मां–बाप का इकलौता बेटा था। एक बहन थी, जिसकी शादी पहले ही हो गई है। वीरेन्द्र की मौत पर मां–बाप का गहरा आघात लगा है। उसकी बारात 11 जुलाई को दर्जिनिया गांव में जानी थी। अचानक हादसा होने पर दो परिवारों पर मुसीबत का पहाड़ टूट पड़ा है। वीरेन्द्र कुमार के पिता ओमनाथ व माता प्रभावती का रो–रोकर बुरा हाल है। दोनों अपने बेटों को याद कर बुरी तरह से रो रहे हैं। ग्रामीणों की भीड़ उनके घर जमा थी। सभी औरतें उनको ढांढस बंधा रही थीं, लेकिन प्रभावती बार–बार बेहोश हो जा रही थीं। तुलसीपुर के प्रभारी निरीक्षक अशोक सिंह ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मतदान का दिखाओ जोश ताकि प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हो सके बहराइच

संवाददाता—बहराइच। लोकसभा चुनाव में प्रथम श्रेणी में बहराइच को उत्तीर्ण कराने के लिए प्रशासन ने हर जतन किए हैं। मरीजों के पर्चे पर मुहर लगाने से लेकर विद्यार्थियों तक इस मुहिम का हिस्सा बनाए गए हैं। इस सियासी घमासान के बीच अहम सवाल है, क्या इस बार मतदान का पुराना रिकार्ड टूटेगा। खासकर तीन चरण में हुई कम वोटिंग से राजनैतिक दलों व विश्लेषकों की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि उम्मीद जताई जा रही है कि जागरूकता का असर दिखेगा और बंपर वोट पड़ेंगे। बहराइच सुरक्षित सीट होने के बाद मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, लेकिन 2019 को छोड़कर 2014 के सापेक्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में सिर्फ .22 फीसद ही वोटिंग का ग्राफ बढ़ा था। यानि 2014 में 57.02 तो 2019 के लोकसभा चुनाव में 57.22 फीसद मतदान रिकार्ड किया गया था। बीते पांच सालों में हर क्षेत्र में कई बदलाव हुए हैं। बड़ा सवाल यह है कि इस बार क्यों मतदान प्रतिशत का आंकड़ा भी बदलेगा, क्योंकि प्रथम श्रेणी में बहराइच को उत्तीर्ण कराने के लिए प्रशासन की ओर से कई अनूठे कदम उठाए गए हैं। दिव्यांगों के लिए आदर्श, युवाओं के लिए यूथ तो महिलाओं के लिए पिंक बूथ बनाए गए हैं। गर्मी को देखते हुए हर बूथ पर पीने के पानी का इंतजाम किया गया है। वोटरों की सहूलियत के लिए मोबाइल एप्लीकेशन भी बनाया है, जिससे मतदाताओं को अपने बूथ के बारे में सभी जरूरी जानकारी मिल जाएगी।

लोकसभा चुनाव में शत–प्रतिशत मतदान को प्रेरित करने के लिए प्रशासन हर जतन किया है। रैलिया,गोष्ठियों के माध्यम से वोटों के महत्व को सुझाया गया है। अब मतदान के दिन महिला, युवा व दिव्यांगों को प्रोत्साहित करने के लिए हर विधानभा में पिंक, यूथ व दिव्यांग मतदान केंद्र भी बनाए गए हैं,जहां वोटर से लेकर चुनाव में लगे कार्मिक तक एक ही वर्ग को तैनाती दी गई है। आयोग की पहल पर डीएम ने इस बार हर विधानसभा में आदर्श और पिंक बूथ के रूप में तैयार किया है। पिंक बूथ में जहां सभी मतदान अधिकारी महिलाएं होंगी। वहीं मॉडल बूथ पर आपको पानी से लेकर अन्य आधुनिक सुविधाएं दी जाएंगी। मॉडल बूथ में दिव्यांगों के लिए व्हेल चेयर की व्यवस्था की जाएगी। वोट देने के लिए कतार में खड़े होने की जरूरत नहीं है। युथ बूथ पर पहली बार वोटर बने युवाओं को मतदान करने की सुविधा मिलेगी। इसके पीछे हर हाल में तीनों वर्ग के वोटरों को मतदान के लिए बूथों तक लाना है।

रेडक्रॉस ने अग्निकांड पीड़ितों बांटी राहत सामग्री

संवाददाता—श्रावस्ती। रेडक्रास ने अग्निकांड पीड़ितों की मदद की। रेडक्रास की ओर से अग्निकांड पीड़ितों को राहत सामग्री का वितरण किया गया। बीते दिनों हजरिया बरार गांव में आग से 13 ग्रामीणों के घर जल गए थे।

जनपद की इकौना तहसील क्षेत्र के हजरिया बरार गांव में अग्निकांड में 13 ग्रामीणों के मकान जल गये थे। हमेशा की तरह फिर रेडक्रॉस श्रावस्ती ने पीड़ितों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया। रेडक्रास अध्यक्ष व जिलाधिकारी कृतिका शर्मा के निर्देश पर सभी पीड़ितों को रेडक्रॉस प्रदेश शाखा की ओर से प्रदत्त की गई राहत सामग्री वितरित की गयी स अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि अज्ञात कारणों से लगी आग से 13 ग्रामीण प्रभावित हुए हैं जिन्हें रेडक्रॉस की तरफ से अतिरिक्त सहायता सामग्री प्रदान की गयी है। जिससे उनका दैनिक जीवन यापन सामान्य हो सके। इसके अतिरिक्त कोटेदार के माध्यम से सभी पीड़ितों को राशन व आपदा विभाग की ओर से अनुमन्य सहायता भी प्रदान की जायेगी। वितरण कार्यक्रम के संयोजक सचिव रेडक्रॉस अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि प्रभावित परिवारों को तिरपाल, सर्फ, साबुन, सेनेटरी पैड, शेविंग किट, तेल व एक ढकक्न युक्त बाल्टी प्रदान की गयी है। इस मौके पर एसडीएम भिनगा पीयूष जायसवाल, एसडीएम अरुण कुमार यादव, नायब तहसीलदार संदीप यादव मौजूद रहे। सहायता पाने वालों में वैजनाथ, पेशकार, ठाकुर प्रसाद, श्रवण कुमार, मनोज कुमार, विजय बहादुर, नीबर, शान्ती देवी, बनेही, गुरुवचन, मुंशीलाल, किशोरीलाल, लालमनि शामिल रहे।

ट्रक की टक्कर से पलटा टेम्पो, महिला का हाथ कटा

संवाददाता—गोण्डा। गोंडा–बलरामपुर मार्ग पर पारासराय के नयेगांव पेट्रोल पंप के निकट हुई मार्ग दुर्घटना में टेम्पो सवार एक महिला का हाथ कटकर सड़क किनारे जा गिरा। खून से लथपथ महिला सड़क पर पड़ी दर्द से कराहती रही। उसके साथ ही छह अन्य महिलायें भी जख्मी हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया। पुलिस के अनुसार खरगूपुर थाना क्षेत्र के लोनावा दरगाह गांव निवासी करीब एक दर्जन महिला बच्चों सहित टेम्पो मे सवार होकर इटियाथोक क्षेत्र के धर्मई में मैनूहीन के घर उनके बेटे के जनाजे में शामिल होने आयीं थी। वापसी के दौरान ने गांव पेट्रोल पंप के पास ओवरटेक के दौरान टेम्पो में ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे टेम्पो पलट गया। दुर्घटना में टेम्पों में बैठी महिला ताहिरा का हाथ कटकर अलग हो गया। साथ ही छह अन्य महिलाएं भी जख्मी हो गई। टेम्पो में सवार बच्चे व अन्य महिलाएं सुरक्षित बच गये। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। ग्राम प्रधान साबित अली ने बताया कि कि ताहिरा को छोड़कर सभी एक ही परिवार के है। उन्होंने बताया की उनकी पत्नी आयअबरी, किस्मतुल, जैनब, मेहरूलनिशा, अकबरी, ताहिरा व ताहिरा द्वितीय का इलाज हो रहा है। प्रभारी निरीक्षक विवेक त्रिवेदी ने बताया की सभी घायलों को इलाज के लिए भेजवाया गया है। ट्रक को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बैठक सीमा सुरक्षा की रणनीति बनी

संवाददाता—श्रावस्ती। 62वीं वाहिनी एसएसबी कमांडेन्ट रवीन्द्र कुमार राजेश्वरी के निर्देशन में रविवार को एसएसबी चौकी भैसाही नाका में भारत नेपाल के बीच समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसएसबी की ओर से चौकी प्रभारी निरीक्षक चंद्रसेन कुमार व नेपाल एपीएफ से प्रभारी उप निरीक्षक शेर बहादुर केसी शामिल हुए। बैठक में सीमा सुरक्षा पर चर्चा हुई और सीमा स्तंभ की सुरक्षा, खराब स्तंभों की मरम्मत, अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण, नशीले पदार्थों की तस्करी पर नियंत्रण, नकली मुद्रा पर रोक, हथियारों की तस्करी पर नियंत्रण आदि पर साझा रणनीति बनाई गई।

पेड न्यूज व विज्ञापन के प्रकाशन पर रखें निगरानी–डीएम

संवाददाता—श्रावस्ती। 25 मई को जनपद में लोकसभा चुनाव का मतदान है। जिसे लेकन प्रशासन की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में डीएम ने मीडिया सर्टीफिकेशन एण्ड मानिटरिंग सेल व कन्ट्रोलरूम का निरीक्षण कर जायजा लिया।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन को लेकर कलेक्ट्रेट स्थित ईओसी कक्ष में मीडिया सर्टीफिकेशन एण्ड मानिटरिंग सेल व जिला सम्पर्क केन्द्र स्थापित किया गया है। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने रविवार को को सीओसी कक्ष पहुंचकर मीडिया सर्टीफिकेशन एण्ड मानिटरिंग सेल व कन्ट्रोलरूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि प्रिन्ट, इलेक्ट्रानिक मीडिया, रेडियो में पेड न्यूज व विज्ञापन आदि के प्रकाशन व प्रसारण पर व्यापक निगरानी रखी जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन में सम्बन्धित के खिलाफ प्रावधानों के अनुरुप कार्रवाई की जाएगी। जिला सम्पर्क केन्द्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि कन्ट्रोलरूम में आने वाली सभी शिकायतों को सूचीबद्ध किया जाए तथा उनका समय सीमा के तहत निराकरण भी कराया जाए। उन्होंने सी–विजिल एप व एमसीसी एप के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सी–विजिल एप से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस मौके पर एसडीएम भिनगा पीयूष जायसवाल, ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर शरद श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

भगवान श्रीराम का मंदिर बनवाने वाले व कारसेवकों पर गोली चलवाने वालों के बीच है यह चुनाव -अमित शाह

संवाददाता—गोण्डा। ये चुनाव भगवान श्रीराम का मंदिर बनवाने वाले व कारसेवकों पर गोली चलवाने वालों के बीच है। भगवान श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा में निमंत्रण मिलने के बाद भी अखिलेश व राहुल नहीं गए। ये लोग वोट बैंक से डरते हैं. इनका वोट बैंक अलग है। रविवार को शहीदे आजम सरदार भगत सिंह इंटर कालेज में आयोजित चुनावी सभा में गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा वाले विपक्ष के वोट बैंक से डरते नही हैं। औरंगजेब ने काशी में भगवान शिव का मंदिर तोड़ा था अब कारीडोर बन गया। सोमनाथ में मंदिर बन रहा है। सपा व कांग्रेस वालों ने कहा कि राम मंदिर बेकार बना है। विपक्ष ने मंदिर पर बाबरी ताला लगवाने के लिए तैयार कर रखा है। गृहमंत्री ने कहा कि बसपा, सपा व कांग्रेस ने 70 वर्ष तक राम मंदिर के मामले को लटकाकर रखा। मोदी जब दूसरी बार पीएम बने तो पांच वर्ष में केस जीता, भूमि पूजन किया और प्राण प्रतिष्ठा करके जयश्रीराम कर दिया। फारुख अब्दुल्ला व मणिशंकर अय्यर हमें डराते हैं, लेकिन, ये डरने वाली सरकार नही है। 56 इंच के सीने वाली मोदी सरकार है। पाक अधिकृत कश्मीर हमारा है और कोई इसे छीन नहीं सकता। गृहमंत्री ने कहा कि दुनिया की कोई ताकत धारा 370 वापस नहीं लगा सकती। भाजपा का जबतक एक भी सांसद सदन में रहेगा, ये संभव नही है। दस वर्ष तक सोनिया–मनमोहन की सरकार थी। पाकिस्तान से आलिया, मालिया व जमालिया आते थे और धमाके करके चले जाते थे। ये दोनों शहजादे चुप रहते थे। मोदी सरकार ने सर्जिकल व एयर स्ट्राइक करके आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि सपा के गुंडे गरीबों को परेशान करते थे। जमीन कब्जा करते थे। वर्ष 2017 में जब भाजपा की सरकार बनी तो योगी जी ने गुंडों को उल्टा लटकाकर सीधा कर दिया। पहले यूपी में कहे बनते थे अब डिफेंस एक्सपो में तोप के गोले बनते हैं। दुनिया में भारत को नंबर एक बनाएंगे पीएम नरेंद्र मोदी। गृहमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी शेखचिल्ली के सपने देखना बंद करें। खुद के जीतने की चिंता करें। मीडिया वालों लिख लो रायबरेली से राहुल बाबा प्रचंड मतों से चुनाव हार रहे हैं।

यह भोगियों और योगियों का चुनाव है मतदान के समय याद रखें –स्वतंत्र देव सिंह

संवाददाता–गोरखपुर। "साल 2024 का ये चुनाव सत्ता के भोगियों और देश की गरीब जनता की सेवा करने वाले योगियों के बीच है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 24 सालों में आजतक कोई छुट्टी नहीं ली। वो दिन रात प्रधानमंत्री पद के दायित्व की पूर्ति में लगे रहते हैं। सिर्फ ढाई से तीन घंटे सोकर एक योगी की तरह दिन रात देश की सेवा में लगे रहते हैं। मित्रों, यह देश का सौभाग्य है कि हमें प्रधानमंत्री मोदी जैसा नेतृत्व मिला है" जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने रविवार को चुनावी सभा के दौरान ये बातें कहीं। सिंह ने रविवार को संत कबीर नगर से लोकसभा प्रत्याशी प्रवीण निषाद और बांसगांव से लोकसभा प्रत्याशी कमलेश पासवान के लिए लोकसभा स्तरीय युवा मोर्चा सम्मेलन को संबोधित किया। तो वहीं, कुशीनगर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी विजय दुबे के लिए पिछड़ा मोर्चा सामाजिक सम्मेलन में वोट मांगे।

युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे बीच इस लोकसभा में लाखों को संख्या में वो युवा वोटर हैं जो पहली बार मतदान कर रहे हैं। आज उनकी आयु 18 से 22 साल होगी जो दस साल पहले 8 से 12 साल के रहे होंगे। जलशक्ति मंत्री में कहा "मैं अपने युवाओं को, जो देश का भविष्य हैं, ये याद दिलाना चाहता हूँ कि दस साल पहले कांग्रेस की सरकार में देश में हर 6 महीने में सीरियल बम ब्लास्ट और आतंकवादी घटनाएँ होती थीं। लेकिन, मोदी सरकार में ये सब बीते दिनों की बात हो गई है. देश के नागरिक की सुरक्षा और कानून व्यवस्था इस सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है". उन्होंने कहा यही वजह है कि देश के युवा मोदी जी को पसंद करते हैं. युवाओं का पहला वोट देश के नाम पर होगा, मोदी जी के नाम पर होगा। कहा, पहली बार वोट देने जा रहे मेरे युवा साथियों को याद रहे कि उनके एक वोट से गरीबों के लिए पक्का मकान, युवाओं के लिए रोजगार, देश की सीमाओं को सुरक्षा, फ्री राशन, फ्री चिकित्सा और फ्री शिक्षा सुनिश्चित होती है। हर घर बिजली और हर नल जल पहुँचता है।

स्वतंत्र देव सिंह ने बीते दस सालों में मोदी सरकार के किए कामों को बारी–बारी गिनाया। कहा, पीएम मोदी ने हिंदुओं का आत्मसम्मान बढ़ाया है जो कांग्रेस ने कुचल कर रख दिया था। कांग्रेस के प्रधानमंत्री खुले मंच से ये बोलते थे कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है, जबकि मोदी के कहते हैं देश के संसाधनों पर सबका बराबरी में अधिकार है। उन्होंने कहा "मित्रों, बीजेपी की सरकार मुसलमानों का तुष्टिकरण नहीं करती. गरीब को गरीब, वंचित को वंचित के निगाह से देखती है. जबकि कांग्रेस–सपा के लिये सब वोटबैंक हैं। युवाओं से मतदाताओं को हर हाल में मतदान के दिन बूथ तक पहुँचाने का संकल्प देते हुए कहा कि अब बस 19 दिनों ही परिश्रम बाकधी है. कमर कस लीजिए और लोगों से जमकर वोट डलवाइये. ये मत सोचिए कि मोदी जी तो जीत ही रहे हैं मेरे एक वोट से क्या होगा। अपील करते हुए कहा कि आज हमारे देश का युवा जागरुक हो चुका है उसे ना जातिवाद दिखता है न क्षेत्रवाद वह सिर्फ राष्ट्रवाद के साथ है और हमेशा राष्ट्रवाद के साथ रहेगा।"हर एक वोट की कधीमत है मित्रों. उठकर बूथ तक जाइए और पूरी ताकध्त से कमल के निशान पर बटन दबाइए और अपने बच्चों का भविष्य सुरक्षित कीजिए", जलशक्ति मंत्री ने जोर देकर कहा।

फ्रांस के राजनयिक लॉरेंट त्रिपोने ने किया गुरु गोरखनाथ का दर्शन

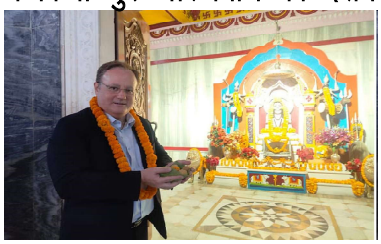

संवाददाता–गोरखपुर। फ्रांस के राजनयिक लॉरेंट त्रिपोने ने रविवार को गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार महायोगी गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन–पूजन किया। मंदिर की दिव्यता व भव्यता से अभिभूत त्रिपोने ने परिसर में स्थित सभी देव विग्रहों का दर्शन कर मत्था टेका। उन्होंने गीताप्रेस, रामगढ़ताल क्षेत्र समेत गोरखपुर के कुछ प्रमुख स्थलों का भी भ्रमण किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इसे न्यू वेल डेवलप्ड सिटी (अच्छी तरह नव विकसित शहर) बताया। लॉरेंट त्रिपोने, भारत स्थित फ्रांसीसी दूतावास में प्रधान राजनीतिक काउंसलर के पद पर तैनात हैं। वह निजी यात्रा पर गोरखपुर आए थे। इस दौरान रविवार सुबह वह गोरखनाथ मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने गुरु गोरखनाथ मंदिर में दर्शन पूजन किया। परिसर के अन्य देव मंदिरों का दर्शन करने के साथ ही गोरक्षपीठ के पूर्व पीठाधीश्वरों महंत दिग्विजयनाथ महाराज, महंत अवेद्यनाथ महाराज की समाधि पर शीश झुकाया। समूचे मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए गोरक्षपीठ, नाथपंथ, इसकी गुरु परंपरा, मंदिर के शैक्षिक, स्वास्थ्य एवं सेवा प्रकल्पों की विस्तार से जानकारी हासिल की। गोरक्षपीठ की सामाजिक समरसता और इस पीठ के सेवा प्रकल्पों के बारे में जानकर लॉरेंट खुशी से हतप्रभ थे।

उन्होंने मंदिर की गोशाला में जाकर गोसेवा कर आत्मीय सुख का आनंद भी लिया। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में उन्होंने यहीं स्थित मंदिर प्रकाशन की पुस्तकों का अवलोकन किया। मंदिर की तरफ से उन्हें नाथपंथ पर केंद्रित दो पुस्तकें भी भेंट की गईं। फ्रांसीसी दूतावास में प्रधान राजनीतिक काउंसलर लॉरेंट ने गोरखपुर में कई प्रमुख स्थलों का भ्रमण किया। यहां के विकास को देखकर और यहां आए बदलाव के बारे में जानकर वह काफी प्रभावित दिखे। उन्होंने गीता प्रेस का भ्रमण किया और रामगढ़ताल की खूबसूरती का भी दीदार किया। उन्होंने कहा कि यह उनके द्वारा देखी गई कई खूबसूरत झीलों में से एक है।

भाई की हत्या के गवाह की संदिग्ध हालात में मौत सड़क पर शव रख परिजनों ने लगाया जाम

संवाददाता–गोरखपुर। गंगेश पाण्डेय की मौत की गुत्थी अब विसरा जांच से सुलझेगी। पीएम कर रहे डॉक्टरों ने जांच के लिए विसरा सुरक्षित किया है। उधर, पीएम के बाद शव लेकर घर के लिए निकले परिवारीजनों ने फलमंडी के पास सड़क जाम कर प्रोफेसर और उनके बेटे सहित अन्य पर केस दर्ज कर आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग शुरू कर दी। परिवारीजनों का कहना है कि कोल्ड ड्रिंक में जहर देकर गंगेश को मारा गया है। गंगेश अपने भाई की हत्या में मुख्य गवाह था। प्रोफेसर अपने एक शिष्य के जरिए सुलह के लिए दबाव बना रहे थे। फिलहाल पुलिस उन्हें समझाने में जुटी हुई है। दक्षिणी बेतियाहाता फलमंडी थाना रामगढ़ताल निवासी जटाशंकर पाण्डेय के 35 वर्षीय पुत्र गंगेश दत्त पाण्डेय की शनिवार की दोपहर में करीब 12 गणेश चौराहे के पास संदिग्ध हाल में मौत हो गई। वह अपनी चलती दो पहिया वाहन से चौराहे के पास लड़खड़ा कर गिरे और मौके पर मृत्यु हो गई। गंगेश पाण्डेय अपने बड़े भाई योगेश दत्त पाण्डेय की हत्या में मुख्य गवाह थे।

योगेश की पत्नी पुष्पा का आरोप है कि समझौता करने के लिए हत्यारोपित उनके परिवार पर दबाव बना रहे थे। सेवानिवृत्त प्रोफेसर के एक शिष्य ने बातचीत करने के बहाने शनिवार की सुबह उनके देवर गंगेश को बुलाया था। आरोपितों ने कोल्ड ड्रिंक में जहरीला पदार्थ पिला दिया,जिसकी वजह से रास्ते में गंगेश की मृत्यु हो गई। पुष्पा देवी ने कैंट पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रविवार को गंगेश के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। डॉक्टरों ने मौत गुत्थी सुलझाने के लिए विसरा जांच सुरक्षित किया है।

2017 में हुई योगेश दत्त पाण्डेय की हत्या हुई थी। भाई गंगेश ने हत्या (302), हत्या की साजिश (120 बी) और शव के साथ सबूत नष्ट करने की धारा (201) में कैंट के इंदिरानगर निवासी गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. के पुत्र व लिटिल स्टार एकेडमी के निदेशक राहुल राय, पीपीगंज थाना क्षेत्र के जंगल बिहुली टोला धरमपुर निवासी राहुल यादव तथा देवरिया जिले के खामपार बकरी बाजार निवासी राहुल पाण्डेय पर केस दर्ज कराया था। वर्तमान में यह केस ट्रायल पर चल रहा है।

डीडीयू में इसी सत्र से शुरू हो जाएगी फार्मेसी की पढ़ाई,नहीं जाना होगा घर

संवाददाता–गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024–25 से ही फार्मेसी की भी पढ़ाई होगी। इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। विश्वविद्यालय ने सीटों की संख्या को तय कर लिया है। डी फार्मा और बी–फार्मा में 60–60 सीटें होंगी। जल्द ही विद्या परिषद की बैठक में इसे स्वीकृति के लिए रखा जाएगा। साथ ही जल्द ही पीसीआई (फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया) की टीम निरीक्षण के लिए आ सकती है। विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का संचालन पूर्वांचल विकास बोर्ड वाले भवन में होगा। वहां से पूर्वांचल विकास बोर्ड के दफ्तर को हटाकर जीरो वेस्ट सेंटर में शिफ्ट कर दिया गया है। अब यह बिल्डिंग पूरी तरह खाली हो गई है। फार्मेसी की बिल्डिंग में इंक्यूबेशन सेंटर के लिए भी जगह दी जाएगी। फार्मेसी की जरूरत के अनुसार लैब और क्लास रूम का काम शुरू हो गया है। जल्द ही फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की टीम इसका निरीक्षण कर सकती है। उससे हरी झंडी मिलने के बाद विश्वविद्यालय इसके लिए प्रवेश शुरू कर देगा। इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के अंतर्गत बैचलर इन फार्मेसी और डिप्लोमा इन फार्मेसी के पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। दोनों पाठ्यक्रमों में 60–60 सीटें होंगी। पहले साल पढ़ाई के लिए छह लैब तैयार किए जा रहे हैं। इसके बाद इसे बढ़ाकर 12 कर दिया जाएगा।

लैब के लिए जरूरी उपकरणों की खरीद शुरू हो गई है। इसके साथ ही पाठ्यक्रम से संबंधित किताबों की खरीदारी की भी शुरुआत हो गई है। बता दें कि फार्मेसी के संचालन के लिए विश्वविद्यालय ने एक करोड़ रुपये का बजट आवंटित कर दिया था। विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी की स्थापना फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत होनी है। इसके सुचारू संचालन के लिए रसायन शास्त्र विभाग के प्रो. सोम शंकर को निदेशक नियुक्त किया गया है। फार्मेसी से जुड़े प्रस्ताव को आगामी 24 मई को होने वाली विद्या परिषद की बैठक में भी रखा जाएगा।

फार्मेसी की शुरुआत में दो बैच ही होंगे, ऐसे में इनकी कक्षाएं इस भवन में संचालित हो जाएंगी। लेकिन अगले सत्र से दो बैच और बढ़ने के बाद इसमें समस्या आ सकती है। इसके लिए विश्वविद्यालय, पूर्वांचल विकास बोर्ड वाले भवन में एक और मंजिल बनाने जा रहा है। अगले साल तक यह तैयार हो जाएगी। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विश्वविद्यालय में इसी सत्र से फार्मेसी की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। इसको लेकर तैयारियां काफी तेज हैं। बी फार्मा और डी–फार्मा के लिए सीटों का निर्धारण हो गया है। इसको जल्द ही विद्या परिषद की बैठक में रखा जाएगा। पीसीआई से अनुमोदन मिलने के बाद प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

देश में बदलते शिक्षा स्तर से अपडेट रहे सभी छात्र व शिक्षक

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के सेमरियावां ब्लॉक के एमएन पब्लिक स्कूल व अवध गर्ल्स इंटर कालेज में आईईटी–जेई नीट बच्चों की काउंसलिंग की। इस दौरान बच्चों को आईईटी–जेई नीट में शानदार प्रदर्शन के लिए सलाह दी गई। कैरियर काउंसलिंग में कई विद्यालय के बच्चे शामिल हुए। बदलते शिक्षा के स्तर को देखते हुए बच्चों को अपडेट रहने की हिदायत दी। बच्चों ने प्रशिक्षक से जमकर सवाल किया।

आईईटी–जेई नीट की काउंसलिंग में एमएन पब्लिक स्कूल सोनौरा गौसी, दी शान सेंट्रल एकेडमी दुधारा, एचएफ प्रोग्रेसिव इंटर कालेज महुआरी सहित अन्य विद्यालय के 300 बच्चे शामिल हुए। कैरियर काउंसलिंग में तामिलनाडु के कोयंबटूर के प्रसिद्ध कोचिंग सेंटर श्री चौतन्या के भौतिक विज्ञान के शिक्षक जुबैर अहमद खान ने बच्चों को नाई शिक्षा प्रणाली के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज देश में शिक्षा का स्तर काफी तेजी से बदल रहा है। इस बदलते शिक्षा के स्तर से सभी छात्रों व शिक्षकों को अपडेट रहना होगा। उन्होंने कहा कि पूरे देश में 24 लाख बच्चे नीट व करीब 12 लाख बच्चे जेईई की परीक्षा की तैयारी करते हैं। आईईटी–जेई नीट की परीक्षा में साउथ इंडिया के बच्चे हमरे क्षेत्र के बच्चों से आगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि साउथ इंडिया के बच्चे कक्षा 6 से ही आईईटी–जेई व नीट की तैयारी में लग जाते है। उस क्षेत्र के शिक्षक व बच्चे बदलती शिक्षा प्रणाली से अपने आपको अपडेट रखते हैं। आज आईईटी–जेई नीट में शानदार प्रदर्शन के लिए बच्चों को कक्षा 6 से एडवांस पाठयक्रम लागू कर तैयारी कराने की जरूरत है। इस दौरान एएच एग्री इंटर कालेज के शिक्षक कमरे आलम सिद्दीकी ने बच्चों से कहा कि वे जीवन का लक्ष्य तय करें। लक्ष्य बड़ा हो। लक्ष्य पाने के लिए रास्ते में आने वाली कठिनाइयों को समाने करते हुए आगे बढ़ें। प्रथमिक विद्यालय के शिक्षक जफीर अली करखी ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कमी नहीं है। बच्चों में प्रतिभा देखकर निखारने की जरूरत है।

स्कूल जा रहे भतीजे को चाकू मारने वाले चाचा पर मुकदमा

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज नगर पंचायत के वार्ड नंबर सात निवासी प्रिंस कुमार के इकलौते पुत्र जिनोब कुमार उर्फ निरहू उम्र 18 वर्ष को उसके चाचा टार्जन ने विद्यालय जाते समय चाकू मारकर शनिवार को नौ बजे सुबह घायल कर दिया था। घायल के पिता प्रिंस कुमार की तहरीर पर पीपीगंज पुलिस ने आरोपी चाचा टार्जन के विरुद्ध जान से मारने का मुकदमा दर्ज कर आरोपी चाचा की तलाश में लगी है।

पीपीगंज नगर पंचायत के वार्ड नंबर सात निवासी प्रिंस कुमार का इकलौते पुत्र जिनोब कुमार उर्फ निरहू शनिवार को सुबह करीब नौ बजे घर से तैयार होकर विद्यालय जा रहा था। रास्ते में घात लगाकर बैठे सेना में नौकरी करने वाले चाचा ने पारिवारिक विवाद में चाकू से वार करके भतीजे जिनोब कुमार उर्फ निरहू को गम्भीर रूप से घायल कर दिया। जब इसकी सूचना घायल के परिजनों को मिला तो उन लोगों ने पीपीगंज पुलिस को सूचना दी। जिस पर मौके पर पहुंची पीपीगंज पुलिस ने घायल को मेडिकल कॉलेज इलाज के लिए भेजा। जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। वहीं रविवार को घायल के पिता प्रिंस कुमार की तहरीर पर आरोपी चाचा टार्जन के विरुद्ध धारा 307 के तहत् मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करते हुए आरोपी चाचा की तलाश कर रही है।

बूथ स्तर तक मुकम्मल इंतजाम, दिखेगा परिणाम

संवाददाता–गोरखपुर। रविवार को क्षेत्रीय कार्यालय पर गोरखपुर क्षेत्र के अध्यक्ष सहजानंद राय की अध्यक्षता में चुनाव प्रबंधन समिति की हुई। जिसमें सभी 13 लोकसभा क्षेत्रों में तैयारियों की समीक्षा की गई। मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री एमएलसी व गोरखपुर क्षेत्र के प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ला ने लोकसभा चुनाव के प्रबंधन में लगेपदाधिकारियों से तैयारियों की जानकारी ली और जरूरी सुझाव दिए। शुक्ला ने कहा कि गोरखपुर क्षेत्र की सभी लोकसभा सीटों पर भाजपा को ऐतिहासिक जीत मिलेगी। सभी कार्यकर्ताओं को कमर कस कर तैयार रहना होगा। क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने कहा कि भाजपा की बूथ स्तर तक मुकम्मल व्यवस्था है। यहां इंडी गठबंधन का खाता तक नहीं खुलेगा। इस मौके पर क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष पुष्प दत्त जैन, उपाध्यक्ष डा सत्येंद्र सिन्हा, मंत्री जनार्दन तिवारी, पूर्व महानगर अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी डॉ बच्चा पांडेय नवीन, सिद्धार्थ शंकर पांडेय, सोमेश्वर पांडेय, अधिवक्ता वीरेंद्र शाही, संदीप त्रिपाठी, डा. पंकज सिंह, ध्रुव श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

सरयू नदी में नहा रहे चार किशोर डूबे, दो चचेरी बहनों की मौत

संवाददाता–बस्ती। जिले के दुबौलिया क्षेत्र के मोजपुर गांव के पास सरयू नदी में स्नान कर रहे आठ किशार–किशोरियों में और एक युवती में से चार डूब गए। गोताखोरों ने दो चचेरी बहनों के शव नदी से बाहर निकाला। अभी भी एक किशोर व किशोरी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। स्थानीय पुलिस के साथ काफी संख्या में ग्रामीण नदी के किनारे जुटे हुए हैं। डूबने से हुई मौत व लापता के परिजनों का रो–रोकर हाल बेहाल है। मौके पर थानाध्यक्ष चंद्रकांत पांडेय के फोर्स के साथ मौजूद हैं। मोजपुर गांव के पास सरयू नदी में रविवार दोपहर बाद दो बजे के करीब नौ बच्चे स्नान करने उतरे थे। स्नान करते समय अचानक चार बच्चे फिसले और तेज धारा में पहुंच गए। देखते–देखते वे चारो नदी में लापता हो गया। लापता होने वालों में पिपरी गांव निवासी वंशीधर गिरि की बेटी पार्वती (20), शालिनी पुत्री वंशीधर (17), काजल पुत्री अनुरुद्ध (14) और सोहन पुत्र रामू (13) निवासी रमवापुर नदी की धारा में लापता हो गये। चारों के नदी में लापता होने पर अन्य बच्चों ने शोर मचाना शुरू किया। आसपास के लोग दौड़कर नदी किनारे पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों को बुलाया गया और वह नदी में उतर कर नाव के सहारे तलाश

करना शुरू किया। इसकी सूचना दुबौलिया पुलिस को दी गई।

सूचना मिलने पर दुबौलिया थाना अध्यक्ष चंद्रकांत पांडेय फोर्स के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों के माध्यम से खोजबीन करने में जुट गए। स्थानीय गोताखोरों ने पार्वती पुत्र वंशीधर व काजल पुत्री अनुरुद्ध का शव बरामद किया। वंशीधर और अनिरुद्ध भाई हैं। पार्वती और काजल चचेरी बहनें हैं। वंशीधर और अनिरुद्ध गिरी ने बताया कि उनकी माझा में तरबूज–खरबूज की खेती है। उसे देखने के लिए बेटियां प्रतिदिन आती थीं। रविवार को स्नान करने सरयू नदी में उतरीं और डूबने से दो की मौत हो गई है। दो अन्य की तलाश जारी है। एक सरयू नदी में मोजपुर के पास हादसा हुआ था। पारा गांव के चार किशोर स्नान करने के लिए नदी में उतरे थे। चारो डूबने लगे थे। उस समय स्थानीय लोगों काफी प्रयास कर तीन की जान बचा लिया था। पारा निवासी एक किशोर की डूबने से मौत हो गई थी। अब एक वर्ष बाद फिर से उसी जगह पर हादसा हुआ और लोगों को पिछली घटना याद आने लगगी।

बभनान में रेलवे लाइन किनारे झाड़ीं में मिला बिहार के युवक का शव

संवाददाता–बस्ती। बभनान में रेलवे लाइन के किनारे झाड़ी में बिहार के युवक का शव मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची बभनान पुलिस व आरपीएफ ने झाड़ियों को काटकर शव को कब्जे में लिया। घटना स्थल के सामान व जामातलाशी में मिले आधार कार्ड व अभिलेखों से शव की शिनाख्त हुई। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दी।

रविवार की सुबह बभनान – गौर रेलवे स्टेशन के बीच भिटिहवा गांव के समीप अप रेलवे लाइन के किनारे झाड़ी में एक युवक का शव मिलने की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर बभनान पुलिस सहित आरपीएफ बभनान की टीम पहुंच गई। वहीं देखते ही देखते मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ एकत्र हो गई।

स्थानीय लोगों की मदद से झाड़ियों को काटकर शव को बाहर निकाला गया। पुलिस द्वारा जामातलाशी कराई गई तो मृतक के पास मिले आधार कार्ड सहित अन्य अभिलेखों के मुताबिक मृतक बिहार प्रांत के सारण छपरा के मौसम गंज निवासी अमित कुमार (32) पुत्र मदन राय के रूप में हुई। मृतक के पास मिले बायोडाटा में बालीबाल का राष्ट्रीय खिलाड़ी होंने की बात भी सामने आई। पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर परिजनों को दूरभाष से घटना की जानकारी दे दी गई है। इस बाबत चौकी प्रभारी बभनान धर्मेंद्र तिवारी ने बताया कि प्रथमदृष्टया लग रहा है कि मृतक किसी ट्रेन से गिरा और झाड़ियों में चला गया है। मृतक बिहार से दिल्ली जा रहा था। परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

प्रारूप सी–1

(समाचार पत्र, टी.वी. मे प्रकाशन हेतु अभ्यर्थियों के लिए)

आपराधिक मामलो के बारे में घोषणा

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं0 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर 2018 के निर्णय के अनुसार) (पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन और अन्य बनाम भारत संघ और अन्य)
अभ्यर्थी का नाम और पता– प्रेम कुमार ग्राम व पोस्ट महादेवा ब्लाक हर्रैया जनपद बस्ती
राजनैतिक दल का नाम– मौलिक अधिकार पार्टी
(निर्दलीय अभ्यर्थी यहां ''निर्दलीय'' लिखे)
निर्वाचन का नाम– लोकसभा सामान्य 2024
निर्वाचन क्षेत्र का नाम– 61–बस्ती सामान्य
मै, प्रेम कुमार (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना हेतु अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में निम्नलिखित विवरणों की घोषणा करता हूँ।

(क) लंबित आपराधिक मामले

क्र. सं.	न्यायालय का नाम	मामले की संख्या एवं तारीख	मामले (मामलों) की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (धाराएं) एवं अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
1	C.J.M. बस्ती	एक	न्यायालय में विचाराधीन	143,505 (2) I.P.C.
1	कोतवाली बस्ती	एक	विवेचक कोतवाली	147,279,337,504,506, 392
	लागू नही होता	लागू नही होता	लागू नही होता	लागू नही होता
	लागू नही होता	लागू नही होता	लागू नही होता	लागू नही होता

(ख) आपराधिक मामलों के लिए दोषसिद्धि के मामलों के संबंध में विवरण

क्र. सं.	न्यायालय का नाम एवं आदेश (शो) की तारीख (खें)	अपराध (अपराधों) और अधिरोपित दण्ड का विवरण	अधिकतम अधिरोपित दण्ड
	लागू नही होता	लागू नही होता	लागू नही होता
	लागू नही होता	लागू नही होता	लागू नही होता
	लागू नही होता	लागू नही होता	लागू नही होता

छात्रों के दो गुटों में मारपीट के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज नगर पंचायत के वार्ड नंबर तेरह लमोहिया गांव में छात्रों के दो गुटों में शनिवार को हुई मारपीट में चार लोग घायल हो गए थे। गंभीर घायल छात्र आशीष कुमार जायसवाल के भाई की तहरीर पर पीपीगंज पुलिस ने छह लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

पीपीगंज थाना क्षेत्र के नगर पंचायत के वार्ड नंबर तेरह लमोहिया गांव निवासी विश्वास चौहान व निवासी कल्याणपुर गांव के आशीष कुमार जायसवाल के बीच मारपीट हुई थी। जिसमें आशीष कुमार जायसवाल को गंभीर चोट आई थी। घायल आशीष कुमार जयसवाल के भाई प्रदीप जयसवाल की तहरीर पर पीपीगंज पुलिस ने आरोपी राजकुमारी, प्रियंका, दिनेश, जगदीश, बुढ़े, विश्वास,के विरुद्ध धारा 147,148,149,323,307,504,506,के तहत् मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करते हुए दो आरोपी प्रियंका और राजकुमारी को जेल भेज दिया गया हैं बाकी आरोपियों की तलाश कर रही है।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com